राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 178 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, रविवार , 09 जनवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

कोरोना के साए के बीच पांच राज्यों में बजा चुनावी बिगुल

7 फेस में होंगे चुनाव, 10 मार्च को नतीजे

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कोरोना के साए के बीच चुनाव आयोग की प्रैस कांफ्रेस शुरू हो गई है। इस दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि कोरोना काल में इलेक्शन करवाना अपने आप में एक चुनौती है। सीईसी सुशील चंद्र ने कहा कि चुनाव आयोग ने 3 लक्ष्यों पर काम किया है। ये लक्ष्य हैं कोविड सेफ इलेक्शन, आसान इलेक्शन, और मतदाताओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी। इसी के साथ उन्होंने कहा कि इस बार 5 राज्यों की 690 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि कोविड सेफ इलेक्शन कराना चुनाव आयोग का उद्देश्य है। सीईसी ने कहा कि कोरोना काल में चुनाव कराना चुनौती पूर्ण है। सात फेज में 5 राज्यों में होंगे चुनाव, यूपी

में पहले फे ज का मतदान 10 फ रवरी को होगा,दूसरा फे ज-14 फ रवरी,तीसरा फेज- 20 फरवरी,चौथा फे ज- 23 फरवरी पांचवां फे ज- 27 फ रवरी,छठा पेज- 3 मार्च,सातवां फ`े ज- 7 मार्च मतगणना- 10 मार्च को होगी। 14 फ रवरी को पंजाब गोवा और उत्तराखंड में मतदान होगा। मणिपुर में 27 फरवरी को पहले चरण का मतदान और 3 मार्च को दूसरे चरण का मतदान होगा।

मतगणना- 10 मार्च को होगी चुनाव आयोग ने आज से 15 जनवरी तक रोड शो, रैली, साइकिल रैली पद यात्रा तक रोक पूर्ण रुप से रोक लगा दी है. 15 जनवरी के बाद पर इस पर विचार किया जाएगा। एक अहम ऐलान में चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदान के लिए समय को एक घंटा बढ़ा दिया गया है. ऐसा कोरोना की वजह से किया गया है. चुनाव के समय की घोषणा अधिसूचना जारी करने के वक्त की जाएगी।

चुनाव आयोग ने कहा कि सभी बूथ पर पुरुष और महिला सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। दिव्यांगों के लिए विशेष इंतजाम होंगे हर बूथ पर. वॉलेंटियर मदद करेंगे. व्हील चेयर भी हर बूथ पर होगी। कोविड प्रभावित या कोविड संदिग्ध के घर वीडीओ टीम के साथ आयोग की टीम विशेष वैन से जाएगी वोट डलवा कर आएगी, इन्हें बैलेट पेपर से वोट डालने का अधिकार मिलेगा। इस बार 1250 मतदाताओं पर एक बूथ बनाया गया है, पिछले चुनाव की तुलना में 16 फीसदी बूथ बढ़ गए हैं। 1620 बूथ को महिला पोलिंगकर्मी मैनेज करेंगी। 900 आब्जर्बर चुनाव पर नजर रखेंगे। चुनाव आयोग ने सरकारी कर्मचारियों के अलावा 80 साल से ज्यादा उम्र के नागरिकों, दिव्यांगों और कोविड प्रभावित लोगों के लिए पोस्टल बैलेट की व्यवस्था की है। सुशील चंद्रा ने कहा हर विधानसभा चुनाव में एक पोलिंग बूथ को पूरी तरह से महिला स्टाफ संभालेगा। उन्होंने बताया कि पांच राज्यों में 2 लाख 15 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन पर मतदान होंगे। इस बार चुनावों में 18.3 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। इनमें सर्विस मतदाता भी शामिल हैंस इनमें से 8.55 करोड़ महिला मतदाता हैं, कुल 24.9 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे. इनमें से 11.4 लाख लड़कियां पहली बार वोटर बनीं हैं. सभी बूथ ग्राउंड फ्लोर पर होंगे, ताकि लोगों को सुविधा हो. बूथ पर सैनिटाइजर, मास्क उपलब्ध होगा।

उत्तर प्रदेश में होने वाले किस चरण में किन जिलों में होंगे चुनाव

पहला चरण-10 फरवरी, दिन- मंगलवार, कुल सीटें- 58
11 जिले- बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा, गौतम बुद्ध नगर और अलीगढ़।
दूसरा चरण- 14 फरवरी, दिन- सोमवार, कुल सीटें- 55
9 जिले- संभल, अमरोहा, बिजनौर, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर।
तीसरा चरण- 20 फरवरी, दिन- रविवार, कुल सीटें- 59
16 जिले- कासगंज, एटा, फिरोजाबाद, हाथरस, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर।
चौथा चरण- 23 फरवरी, दिन- बुधवार, कुल सीटें- 60
9 जिले- लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, उन्नाव, रायबरेली, फतेहपुर, बांदा।
पांचवा चरण- 27 फरवरी, दिन- रविवार, कुल सीटें-60
11 जिले- बाराबंकी, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, चित्रकूट, प्रयागराज।
छठा चरण-3 मार्च, दिन- गुरुवार, कुल सीटें- 57
10 जिले- बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, अंबेडकर नगर, गोरखपुर, बलिया, देवरिया।
सातवां चरण- 7 मार्च, दिन- सोमवार, कुल सीटें-54
9 जिले- जौनपुर, मऊ, आजमगढ़, संत रविदास नगर, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, चंदौली और सोनभद्र।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरू में सड़क दुर्घटना में हुई चार इंजीनियरों की मौत

बेंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू की एनआईसीई रोड पर कई वाहनों के सिलसिलेवार तरीके से आपस में टकराने की वजह से हुए हादसे में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गयी जबकि छह अन्य घायल हो गये। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात को हुए इस हादसे में मारे गए लोगों की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है और सभी सॉफ्टवेयर(कंप्यूटर) इंजीनियर थे। ये लोग केरल की पंजीकरण संख्या वाली एक कार में सवार थे। तमिलनाडु से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने इनकी कार को टक्कर मार दी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। ट्रक की रफ्तार काफी तेज होने के कारण दो कार और चार कंटेनर वाहन भी इस दुर्घटना की चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में कार में सवार दो महिलाओं समेत सभी चार लोगों की मौत हो गयी। जबकि अन्य दो कारों में सवार छह अन्य लोग घायल हो गए। इनमें से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली में मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले दो लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में मादक पदार्थों की आपूर्ति करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान पूठ कलां गांव के निवासी बृजेश (26) और सुल्तानपुरी के रहने वाले विक्रम उर्फ बंटी (37) के रूप में की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर, बुधवार को पुलिस ने बृजेश को उस वक्त पकड़ा जब वह मादक पदार्थ की आपूर्ति करने के लिए पूठ कलां स्थित शहीद भगत सिंह व्यायामशाला के पास आया था। अधिकारी ने कहा कि आरोपी के पास से सौ ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि बृजेश ने खुलासा किया कि वह विक्रम से मादक पदार्थ खरीदता था। अधिकारी ने कहा कि विक्रम को भी गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 15 ग्राम हेरोइन बरामद की गयी। पुलिस ने कहा कि बृजेश पहले एक मामले में शामिल था और अभी जमानत पर रिहा है। पुलिस ने कहा कि विक्रम पांच आपराधिक वारदात में शामिल रहा है।

यूपी चुनावः अखिलेश ने पार्टी के सत्ता में आने पर छात्रों को लैपटॉप देने का वादा किया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 300 यूनिट मुफ्त घरेलू बिजली देने का वादा करने के बाद शनिवार को कहा कि सपा के सत्ता में आने पर उनकी सरकार उत्तर प्रदेश के युवाओं और छात्रों को लैपटॉप बांटेगी। यादव ने शनिवार को यहां पत्रकारों से कहा, समाजवादी पार्टी पहले ही 300 यूनिट घरेलू और सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का वादा कर चुकी है और सत्ता में आने पर पार्टी युवाओं और छात्रों को बेहतरीन गुणवत्ता वाले लैपटॉप उपलब्ध कराने का संकल्प लेती है। उन्होंने कहा, हमने पिछली बार लाखों लैपटॉप वितरित किए थे और लैपटॉप पाने वालों को अभी भी उससे आगे बढ़ने और रोजगार में

लाभ मिल रहा है। यादव ने भाजपा आईटी सेल के प्रमुख द्वारा कानपुर के इत्र व्यापारी के साथ सोशल मीडिया पर उनकी तस?वीर पोस?ट करने पर कड़ी आपत्ति जताई जो तस्वीर कथित तौर मई 2015 में यादव के फ्रांस दौरे की बताई गई है और इसमें लिखा गया है कि इस तस?वीर में वे इत्र वाले मित्र भी हैं जिनकी दीवारों से उत्तरप्रदेश की जनता से लूटा हुआ पैसा निकल रहा है। यादव ने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा के आईटी सेल के प्रभारी के खिलाफ झूठा दुष्प्रचार करने के लिए प्राथमिकी दर्ज कराएगी। सपा प्रमुख ने पत्रकारों को तस्वीर दिखाते हुए कहा, उन्होंने (भाजपा आईटी सेल) मेरी फ्रांस की तस?वीर यह कहते हुए साझा की है कि कानपुर में गिरफ्तार किया गया इत्र व्यापारी मेरे साथ खड़ा है। सपा का विधि प्रकोष्ठ निश्चित रूप से उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएगा। उन्होंने भाजपा पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी जताई। उल्लेखनीय है कि आयकर और जीएसटी इंटेलिजेंस विंग द्वारा संयुक्त छापेमारी में कानपुर और कन्नौज में इत्र व्यापारी पीयूष जैन के घर और कारखाने से 177 करोड़ रुपये की भारी नकदी और बड़ी मात्रा में सोना-चांदी बरामद किया गया। बाद में व्यापारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

यदि कई बाह्य प्राकृतिक ताकत शामिल नहीं है, तो आग लगना कोई "दैवीय घटना" नहीं हैः न्यायालय

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि यदि तूफ ान, बाढ़, बिजली गिरने या भूकंप आने जैसी किसी बाह्य प्राकृतिक शक्ति के कारण आग नहीं लगी है, तो आग लगने के मामले को कोई "दैवीय घटना" नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को निरस्त करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें एक कंपनी के गोदाम में लगी आग को "दैवीय घटना" करार दिया गया था और शराब के निर्माण में

लगी कंपनी को उत्पाद शुल्क से छूट दे दी थी। पीठ ने कहा कि इस मामले में तूफान, बाढ़, बिजली गिरने या भूकंप जैसी किसी भी ताकत की वजह से आग नहीं लगी है। उसने कहा, "इस मामले में किसी भी बाह्य प्राकृतिक शक्ति ने हिंसक तरीके से या अचानक काम नहीं किया, तो ऐसे में आग लगने की इस घटना को कानूनी भाषा में दैवीय घटना करार नहीं दिया जा सकता।" शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि यह आग किसी व्यक्ति की शरारत के कारण नहीं लगी थी। पीठ ने कहा, "उल्लेखनीय है कि दमकलकर्मी 10 अप्रैल, 2003 को अपराह्न 12 बजकर 55 मिनट पर लगी आग को अगले दिन तड़के पांच बजे काबू कर पाए।" उसने कहा, "जब सभी प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखा जाता है, तो हमारे लिए यह स्वीकार करना मुश्किल हो जाता है कि आग लगने की घटना और इसके परिणामस्वरूप हुआ नुकसान मानवीय एजेंसी के नियंत्रण से बाहर था, ताकि इसे अपरिहार्य दुर्घटना कहा जा सके। शीर्ष अदालत ने कहा कि आग अपने आप नहीं लगी और उचित रूप से लगाए गए अग्निरोधी विद्युत उपकरणों और अग्निशमन संबंधी कदमों के साथ इस हादसे से बचा जा सकता था या कम से कम इससे हुए नुकसान को कम किया जा सकता था। उसने कहा कि इस मामले पर उच्च न्यायालय की टिप्पणियां उचित प्रतीत नहीं होती और इन्हें अस्वीकार्य किए जाने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग ने उच्च न्यायालय के इस आदेश को चुनौती थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि आबकारी आयुक्त द्वारा 6.39 करोड़ रुपये की आबकारी राजस्व की मांग का आदेश अनुमान पर आधारित था और कंपनी की ओर से लापरवाही का कोई ठोस सबूत उपलब्ध नहीं था। अदालत ने इसे "दैवीय घटना" बताया था।

चुनावी ऐलान के साथ ही प्रियंका गांधी ने शुरू की वर्चुअल रैली, इंदिरा गांधी को लेकर कही बड़ी बात

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पूरी दमखम के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी में है। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस से लगातार उत्तर प्रदेश में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की कोशिश में है।

इन सब के बीच चुनावी तारीखों के ऐलान के बाद प्रियंका गांधी ने ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने यूपी में श्महिला सशक्तिकरण आंदोलन की शुरुआत की है और वास्तव में मेरा विचार यह है कि यह आंदोलन पूरे देश में चलना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि उत्तर प्रदेश के चुनावों के बाद हम इस

आंदोलन को देश के सभी राज्यों में चलाएंगे। प्रियंका ने काह कि राजनीतिक पहलू के लिए मैं बार बार यही कहती हूं कि अगर आपको महिलाओं को सशक्त बनाना है तो सिर्फ गैस सिलेंडर और हर महीने डायरेक्ट ट्रांसफर भेजने वाली प्रथा से काम नहीं चलेगा।

प्रियंका ने फे सबुक लाइव के जरिये अपने संवाद में कहा, उन्हें (महिलाओं को) रोजगार, शिक्षा, सेहत, सुरक्षा कैसी मिल रही है, ये महत्वपूर्ण है, हमने अपने शक्ति विधान में महिलाओं के लिए काफी कुछ लिखा है कि हम उनके लिए क्या करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब महिलाओं की और उपेक्षा नहीं देख सकती, मैं वास्तव में इस आंदोलन को राज्यों में लेकर जाना चाहती हूं। पुरुष अपना नजरिया बदल सकते हैं, वे महिलाओं को समान रूप से देख सकते हैं, वे इस तथ्य को गहराई से समझ सकते हैं कि एक महिला उनसे कम नहीं है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर अतीत में देखा जाए तो मैं यही कहूंगी कि मेरी दादी, श्रीमती इंदिरा गांधी जी ही मेरी प्रेरणा थीं और मेरी पसंदीदा राजनेता भी।

मैं अपनी दादी से बहुत प्रेरित हूं। प्रियंका ने कहा, मेरी दादी इंदिरा गांधी जी भी मेरी प्रेरणा हैं। मैं उनसे भी प्रभावित हूं, इंदिरा गांधी जी एक सभा में भाषण दे रही थी तभी पथराव हो गया। उन्हें एक पत्थर आकर नाक पर लगा। खास बात ये है कि वे पीछे नहीं हटीं।

फिर से खड़ी हुईं, भाषण पूरा किया। इंदिरा गांधी जी साहस की मिसाल थीं। उन्होंने हमेशा सही निर्णय लिया। वह आयरन लेडी थीं साथ ही उनमें धैर्य, निडरता, वीरता थी। वह महिला सशक्तिकरण की भी मिसाल हैं। विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने के कांग्रेस के वादे पर उन?होंने कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से 50 प्रतिशत का समर्थन किया, दरअसल महिलाओं के लिए 40 प्रतिशत आरक्षण सही भागीदारी नहीं है, सही है कि ये हिस्सेदारी 50 प्रतिशत होनी चाहिए।

देश में कोविड-19 के 1.42 लाख नये मामले

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। देश में एक दिन में कोरोना वायरस के 1,41,986 नये मामले आने से संक्रमितों की कुल संख्या 3,53,68,372 पर पहुंच गयी, जिसमें 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश से आए ओमीक्रोन स्वरूप के 3,071 मामले भी शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, ओमीक्रोन स्वरूप के 3,071 मामलों में से 1,203 मरीज स्वस्थ हो गए या देश छोड़कर चले गए हैं। महाराष्ट्र में ओमीक्रोन के सबसे अधिक 876 मामले आए। इसके बाद दिल्ली में 513, कर्नाटक में 333, राजस्थान में 291, केरल में 284 और गुजरात में 204 मामले आए। आंकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस के एक दिन में 1,41,986 नए मामले आए हैं जो करीब 222 दिनों में सबसे अधिक हैं।

कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,72,169 हो गयी है जो करीब 187 दिनों में सबसे अधिक है। महामारी से 285 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,83,463 हो गयी है। पिछले साल 31 मई को संक्रमण के कुल 1,52,734 नए मामले आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,72,169 हो गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.34 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.30 प्रतिशत हो गयी है। पिछले 24 घंटों में संक्रमण का इलाज करा रहे लोगों की संख्या में 1,00,806 मामलों की वृद्धि हुई है। संक्रमण की दैनिक दर 9.28 प्रतिशत दर्ज की गयी, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 5.66 प्रतिशत दर्ज की गयी। कोविड-19 से स्वस्थ हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 3,44,12,740 हो गयी है, जबकि मृत्यु दर 1.37 प्रतिशत दर्ज की गयी। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 150.06 करोड़ से अधिक खुराकें दी गयी हैं।

राहुल का आरोप, भाजपा ने नफरत की कई फैक्टरी लगा रखी हैं

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक खबर का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नफरत की कई फै क्टरियां लगा रखी हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 'बुल्ली बाई एप मामले में अभियुक्तों की कम उम्र देखकर पूरा देश पूछ रहा था कि इतनी नफ रत आती कहां से है? दरअसल भाजपा ने नफरत की कई फै क्टरी लगा रखी हैं।'टेक फॉगश् (एप) उनमें से एक है। इससे पहले, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को भाजपा पर 'टेक फॉग नामक एक ऐप के माध्यम से कुछ

समुदायों, महिलाओं और विपक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार फै लाने का आरोप लगाया था और कहा था कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने एक समाचार पोर्टल की खबर का उल्लेख करते हुए यह भी कहा था कि सरकार को ऐप के संदर्भ में तत्काल कदम उठाना चाहिए। कांग्रेस के इस आरोप पर भाजपा की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वैष्णो देवी में बर्फ की सफेद चादर, स्वर्ग का अनुभव करा रहा दरबार

(एजेंसी)

जम्मू। प्रसिद्ध तीर्थस्थान वैष्णो देवी में भैरो घाटी से लेकर माता वैष्णो देवी भवन के बीच रात से हो रही बर्फबारी ने भवन सहित पूरे त्रिकुट पर्वत को सफे द चादर से ढक दिया है। बर्फ के बीच माता वैष्णो देवी का दरबार स्वर्ग का अनुभव करवा रहा है। वहीं देश के दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालु इस अलौकिक नजारे का मजा लेते हुए साफ नजर आते हैं। बर्फ के बीच खेलते श्रद्धालु सेल्फी व फोटो शूट करते हुए नजर नजर आ रहे हैं। भवन पर 3 से 4 इंच व भैरों घाटी 4 से 5 इंच बर्फबारी दर्ज की गई है। मौसम लगातार खराब बना

हुआ है बारिश लगातार हो रही है। भैरो घाटी व माता वैष्णो देवी भवन पर बर्फबारी का सिलसिला शुक्रवार शाम को ही शुरू हो गया था। बारिश व बर्फबारी के बाद श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शुक्रवार शाम 7 बजे यात्रा को स्थगित कर दिया था। आज सुबह छह बजे एक बार फिर यात्रा को शुरू किया गया। बर्फ के कारण मार्ग पर फिसलन हो गई है परंतु बोर्ड के कर्मचारी निरंतर मार्ग को साफ कर रहे हैं। दूर से रोशनी से जगमगाता सफे द चादर में लिपटा मां वैष्णो देवी का भवन हर किसी को आकर्षित कर रहा है। कल सुबह से भवन पर हो रही बर्फबारी के कारण सांझी छत हैलीपैड पर भी बर्फ जम चुकी थी, जिसकी वजह से बोर्ड ने दोपहर बाद इसे बंद कर दिया। आज भी बर्फबारी जारी रहने की वजह से हैलीकाप्टर सेवा शुरू नहीं की गई।कश्मीर में एक बार फिर हुई बर्फबारी ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। करीब तीन दिन बाद श्रीनगर हवाई अड्डे पर बहाल हुई हवाई सेवा को मौसम खराब होने की वजह से स्थगित कर दिया गया है। एयरपोर्ट निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा कि बर्फबारी व धुंध की वजह से कम दृश्यता के चलते फिलहाल 10 फ्लाइट्स को रद कर दिया गया है। वहीं रेलवे ने भी रात से जारी भारी बर्फ कारी के चलते बारामुल्ला-बनिहाल सेक्शन के बीच चलने वाली ट्रेनों को आज के दिन रद कर दिया था। मौसम में एक दिन हल्के सुधार के बाद आज शनिवार सुबह ही निचले क्षेत्रों में फिर बारिश और ऊपरी इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई। शुक्रवार शाम को भी यहां भारी बर्फबारी हुई थी। श्रीनगर में बफ बारी की गति इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में सड़कें, गली, कूचे तथा मकानों की छत सफे द हो गई।

सार समाचार

आईआसआईएस के खतरे से निपटने के लिए तालिबान ने उठाया कदम, आत्मघाती हमलावरों की करेगा सेना में भर्ती

काबुल। तालिबान आधिकारिक तौर पर सेना का हिस्सा बनने के लिए आत्मघाती हमलावरों की भर्ती करेगा। काबुल पर कब्जे के बाद से प्रतिद्वंद्वी इस्लामिक स्टेट तालिबान के लिए सबसे बड़े सुरक्षा खतरे के रूप में सामने आया है। पिछले साल सत्ता में आने से पहले, तालिबान ने 20 साल के युद्ध में अमेरिकी और अफगान सैनिकों पर हमला करने और उन्हें हराने के लिए आत्मघाती हमलावरों को एक महत्वपूर्ण हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था। तालिबान के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि अब समूह एक इकाई के तहत काम करने और अफगानिस्तान की रक्षा के लिए देश भर में आत्मघाती हमलावरों के बिखरे हुए दस्तों को सुधारना और संगठित करना चाहता है। उनका मुख्य लक्ष्य अब इस्लामिक स्टेट की स्थानीय शाखा होगी। करीमी ने कहा कि विशेष बल जिनमें जान कुर्बान करने वाले शामिल हैं का उपयोग अधिक परिष्कृत और विशेष अभियानों के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी समूह देश भर में और सीमाओं पर रक्षा को मजबूत करने के लिए एक मजबूत और संगठित सेनाश का निर्माण कर रहा है, जिसमें आत्मघाती हमलावर रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा बन रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा , इस बीच, तालिबान शासन ने कहा है कि वह सीमा पर बाड़ लगाने के विवादास्पद मुद्दे पर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देगा।' तालिबान के कमांडर मावलवी सनाउल्लाह संगीन ने बुधवार को अफगानिस्तान के टोलो न्यूज को बताया, "हम (तालिबान) किसी भी समय, किसी भी रूप में बाड़ लगाने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने (पाकिस्तान ने) पहले जो कुछ किया, हम अब इसकी अनुमति नहीं देंगे। अब कोई बाड़ नहीं होगी।'

पिछले हफ्ते कोरोना के नए मामलों में दर्ज की गई 71 फीसदी बढ़ोतरी : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा 27 दिसंबर से दो जनवरी के दौरान इससे पिछले सप्ताह के मुकाबले कोरोना संक्रमण के नए वैश्विक मामलों में 71 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि इसी अवधि में मौत के मामलों में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को नए मामलों में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि ओमीक्रोन के कारण आई सुनामी ने दुनियाभर में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर बोझ को बहुत बढ़ा दिया है। डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी कोविड-19 के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर से संक्रमण के मामलों में क्रमिक वृद्धि के बाद वैश्विक स्तर पर 27 दिसंबर से दो जनवरी के सप्ताह के दौरान इससे पिछले सप्ताह की तुलना में संक्रमण के नए मामलों में 71 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस अवधि में संक्रमण के कारण मौत के मामलों में 10 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह दुनियाभर में संक्रमण के करीब 95 लाख नए मामले सामने आए, जबकि 41,000 से अधिक मरीजों की मौत हो गई। आंकड़ों के मुताबिक सभी क्षेत्रों में साप्ताहिक मामलों में वृद्धि देखी गई जिसमें से अमेरिका में सर्वाधिक 100 फीसदी का इजाफा हुआ। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रस अधानम घेब्रेयेसस ने कहा, पिछले सप्ताह, महामारी के बाद से अब तक सर्वाधिक मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही हम जानते हैं कि शायद अवकाश के कारण नमूनों की जांच लंबित रहने के कारण मामलों की वास्तविक संख्या इससे अधिक भी हो सकती थी। जिनेवा में उन्होंने चेताया कि वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन, भले ही डेल्टा स्वरूप से कम गंभीर प्रतीत होता हो, लेकिन इसका यह कतई मतलब नहीं है कि इसे हल्की श्रेणी में रख जाना चाहिए।

डेमोक्रेटिक पार्टी कार्यालय के बाहर जब पाइप बम मिला था, तब उपराष्ट्रपति कमला हैरिस थीं वहीं : रिपोर्ट

वॉशिंगटन । एक साल पहले भारतवंशी-अमेरिकी कमला हैरिस जब अमेरिका की पहली महिला उपराष्ट्रपति बनी तब वे बाल-बाल बची थीं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, पिछले साल 6 जनवरी को जब उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के दफ्तर के बाहर पाइप बम मिला था, तब कमला हैरिस वहीं मौजूद थीं। एफबीआई के सूत्रों के हवाले से खबर में बताया गया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के दफ्तर में उस वक्त राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक चल रही थी। उसमें नव-निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी मौजूद थीं। तभी बाहर सुरक्षाकर्मियों को पाइप बम मिला, जो कभी भी फट सकता था। लिहाजा, आनन-फानन में सुरक्षकर्मियों द्वारा कमला हैरिस को वहां से बाहर निकाल लाया गया।
गौरतलब है कि अमेरिकी संसद पर पिछले साल 6 जनवरी को निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने बड़ी संख्या में हमला किया था। इसी दौरान ये पाइप बम पाए गए थे। ट्रंप समर्थक हमलावरों का आरोप था कि चुनाव में जो बाइडेन ने धोखाधड़ी से जीत हासिल की है। हालांकि बाइडेन ने लोकप्रियता के सभी मापदंड तोड़ते हुए करीब 70 लाख वोटों से जीत हासिल की थी। यह बात बाद में डोनाल्ड ट्रंप को भी माननी ही पड़ी थी और मुश्किल से सही पर राष्ट्रपति का पद छोड़ना पड़ा था। इस घटना के एक साल पूरा होने पर अभी गुरुवार, 6 जनवरी को राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फिर उस मामले का जिक्र किया। दोनों ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया। लेकिन उनकी तरफ इशारा करते हुए कहा, 'लोकतंत्र इतनी नाजुक व्यवस्था है कि अगर हम सचेत नहीं रहे, इस पर निगाह नहीं रखी तो हम इसकी सुरक्षा नहीं कर सकते। इसमें कई खामियां आ जाएंगी। यह विफल हो जाएगी।' इस मौके पर कमला हैरिस ने कहा, 'हम अपना भविष्य उन लोगों के भरोसे नहीं छोड़ सकते, जो हमारी आवाज दबाना चाहते हैं।

ब्रिटेन में पाक मूल के नेता लॉर्ड नजीर अहमद बच्चों के साथ दुष्कर्म के दोषी घोषित

लंदन । ब्रिटेन में कश्मीरी और खालिस्तानी अलगाववादियों के समर्थक लॉर्ड नजीर अहमद ने बच्चों के के साथ दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध के दोषी करार दिए गए हैं। इस संबंध में दो बच्चों द्वारा लॉर्ड नजीर पर लगाए गए आरोपों को लंदन की शैफील्ड क्राउन कोर्ट ने सही पाया है। कश्मीरी और खालिस्तानी अलगाववाद की खुलकर पुरजोर वकालत करने वाले पाकिस्तानी मूल के लॉर्ड नजीर ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता रहे हैं। हालांकि उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। उन पर एक लड़के के साथ दुष्कर्म और लड़की के साथ बलात्कार की कोशिश के आरोप सही सिद्ध हुए हैं। यह मामले उस वक्त के जब नजीर अपने किशोरपन में हुआ करते थे, 1970 के दशक में। लॉर्ड नजीर के खिलाफ आरोप सामने के बाद उनके खिलाफ जांच और अदालती सुनवाई की लंबी प्रक्रिया चली है। अभियोजन पक्ष के वकील टॉम लिटिल ने अदालत को बताया है कि जब नजीर अहमद 17 साल के थे, उस वक्त उन्होंने अपने से बहुत छोटी उम्र की लड़की के साथ बलात्कार की कोशिश की। लगभग इसी दौर में उन्होंने 11 साल के एक लड़के के साथ दुष्कर्म किया। यही नहीं, पाकिस्तानी मूल के एक अन्य नेता इमरान अहमद खान भी इन दिनों ब्रिटेन में ऐसे ही आरोपों का सामना कर रहे हैं। उन पर भी एक 15 साल के लड़के ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। इस आरोप से संबंधित मुकदमा मार्च में शुरू होने वाला है। सुनवाई करीब दो सप्ताह चलेगी।

अलमाटी में कजाकिस्तान के अधिकारी ईंधन की बढ़ती हुई कीमतों का विरोध कर रहे लोगों पर नियंत्रण का प्रयास करते हुए।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। देश वैश्विक महामारी की पांचवी लहर से जूझ रहा है। अल्वी ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उन्हें हल्का बुखार है और कोई अन्य लक्षण नहीं हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 'मैं फिर से कोविड-19 की जद में हूं। पिछले चार-पांच दिन से गले में दर्द था और ठीक हो रहा था। दो रात पहले कुछ घंटों के लिए हल्का बुखार आया। कोई अन्य लक्षण नहीं थे।' उन्होंने लोगों से सरकार द्वारा घोषित दिशा-निदेशों का पालन करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, दोस्तों, कृपया सावधानियां फिर से बरतनी शुरू कर दें और मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करें।' अल्वी पिछले साल 29 मार्च को पहली बार संक्रमित हुए थे। उससे पहले वह कोविड-19 टीके की पहली खुराक ही ले सके थे। राष्ट्रपति उस दिन संक्रमित मिले जिस दिन पाकिस्तान में लगभग तीन महीनों में पहली बार 1,000 से अधिक मामले सामने आए। यह वृद्धि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण हुई है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल बाजवा के सेवा विस्तार पर फैसले में अभी वक्त है : इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उन्होंने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के कार्यकाल के विस्तार के बारे में अभी नहीं सोचा है क्योंकि उनके कार्यकाल के समाप्त होने में अब भी समय है। मीडिया में शुक्रवार को इस बारे में रिपोर्ट आई। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बाजवा के कार्यकाल में विस्तार के विवादास्पद मुद्दे पर प्रधानमंत्री खान ने कहा कि सैन्य नेतृत्व के साथ उनके अभूतपूर्व संबंध हैं। प्रधानमंत्री के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, 'मौजूदा साल अभी शुरू ही हुआ है और नवंबर अभी दूर है। फिर सेना प्रमुख के कार्यकाल में विस्तार की चिंता क्यों है।'
खान ने कहा कि उन्होंने अब तक सीओएएस बाजवा के कार्यकाल में विस्तार के बारे में नहीं सोचा है। बाजवा (61) सेना प्रमुख के पद पर 28 नवंबर, 2022 तक रहेंगे। खान के करीबी, बाजवा अपने तीन साल के मूल कार्यकाल के खत्म होने पर 29 नवंबर, 2019 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन प्रधानमंत्री खान ने एक अधिसूचना के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए सेना प्रमुख को उतने ही समय का एक और सेवा विस्तार दिया। उच्चतम न्यायालय ने 28 नवंबर को सरकारी आदेश को यह कहकर निलंबित कर दिया कि सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए कोई कानून नहीं है। लेकिन शीर्ष अदालत ने सरकार के इस आश्वासन पर जनरल बाजवा को छह महीने का विस्तार दिया कि संसद छह महीने के भीतर किसी सेना प्रमुख के सेवा विस्तार/पुनर्नियुक्ति पर कानून पारित करेगी।
सरकार ने प्रारंभिक गतिरोध के बाद मुख्य विपक्षी दलों का समर्थन हासिल किया और सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ समिति के अध्यक्ष पद के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 से 64 वर्ष तक बढ़ाने के संबंध में नेशनल असेंबली में तीन विधेयक पेश किए। सरकार गिराने के संबंध में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और सेना के बीच संभावित समझौते की अफवाहों के बारे में खान ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से किसी तरह के दबाव में नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिकेटर से नेता बने खान ने कहा कि उन्हें सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है और उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी सरकार 2023 तक पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

आज के ही दिन हुआ था अमेरिकी संसद भवन पर हमला, जो बाइडेन ने ट्रंप को आड़े हाथों लिया

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों पर चुनाव को लेकर झूठ बालने और लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया। कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) पर हुए हमले के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर बाइडन ने यह बयान दिया। गौरतलब है कि ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच संसद भवन पर उनके समर्थकों ने छह जनवरी को कथित तौर पर हिंसा की थी। बाइडन ने कहा, 'इतिहास में पहली बार, एक राष्ट्रपति केवल चुनाव नहीं हारा, बल्कि हिंसक भीड़ के कैपिटल में हिंसा करने से, उसने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को रोकने की कोशिश भी की। पूर्व राष्ट्रपति के समर्थक इतिहास को पुनःलिखने की कोशिश कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि आप चुनाव के दिन को विद्रोह के दिन के रूप में और छह जनवरी को यहां हुए दंगों को लोगों की इच्छा की सच्ची अभिव्यक्ति के रूप में देखें।' राष्ट्रपति ने कहा, 'हमें इस बात को लेकर स्पष्ट होना चाहिए कि क्या सच है और क्या झूठ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने 2020 चुनाव को लेकर कई झूठ फैलाएं हैं। कैपिटल में बाइडन के भाषण के दौरान अधिकतर रिपब्लिकन सांसदों की अनुपस्थिति या चुप्पी ने देश में विभाजन को काफी हद तक रेखांकित किया। इससे पहले, हमेशा बाइडन ने हमले का उल्लेख काफी संयम से किया था, लेकिन बृहस्पतिवार को उन्होंने काफी आक्रामक भाषण दिया।

जापान के यह कारोबारी है बहुत अमीर, अंतरिक्ष की यात्रा करने के बाद अब लगाएगा चांद के चक्कर

तोक्यो। (एजेंसी)

जापान के अरबपति कारोबारी युसाकु मीजावा अंतरिक्ष में 12 दिन बिताने के बाद अब चंद्रमा की सैर पर जाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क की महत्वाकांक्षी परियोजना स्टार्टशिप के साथ करार भी किया है। युसाकु मीजावा कई वर्षों से अंतरिक्ष की यात्रा से जुड़े व्यवसाय में कदम रखना चाहते थे और आखिरकार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र से एक ट्वीट कर इसकी पुष्टि कर दी है। अरबपति कारोबारी ने 'स्पेस नाउ (अब अंतरिक्ष)' ट्वीट कर खुद के अंतरिक्ष से जुड़े कारोबार में कदम रखने की घोषणा की। युसाकु मीजावा ने अंतरिक्ष से लौटने के बाद शुक्रवार को राजधानी तोक्यो में पहली बार विदेशी संवाददाताओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'अंतरिक्ष से जुड़े कारोबार में बहुत अधिक संभावनाएं हैं।'
युसाकु मीजावा क्रिसमस से पूर्व धरती पर लौट गए थे। युसाकु मीजावा स्टार्ट टुडे नामक एक कंपनी के मालिक हैं और वह अमेरिका के अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की विभिन्न परियोजनाओं में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। जापानी कारोबारी की अपने देश की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा और अन्य संस्थानों की परियोजना में भी निवेश करने की योजना है। युसाकु मीजावा (46) रूसी अंतरिक्ष यान सोयुज में बैठकर आठ दिसंबर को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। वह 2009 के बाद पर्यटक के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपनी यात्रा का पूरा खर्च स्वयं उठाया।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनेंगी आयशा मलिक, बार काउंसिल ने दे डाली धमकी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

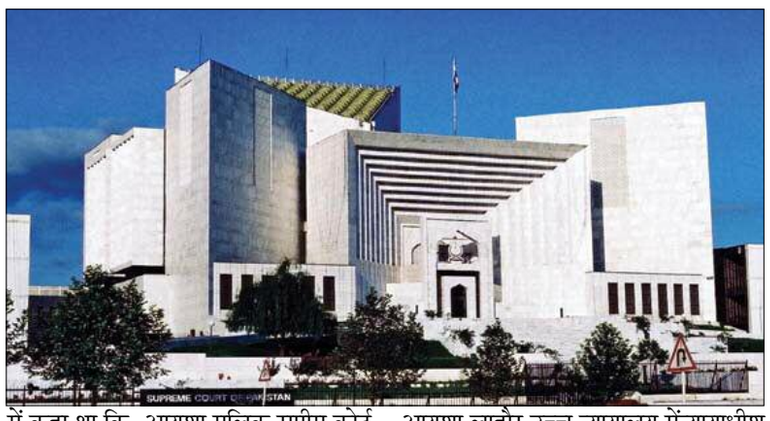

पाकिस्तान में पहली बार एक महिला सुप्रीम कोर्ट की जज बनने जा रही है। लाहौर हाई कोर्ट की जस्टिस आयशा मलिक अब पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज का पद संभालेगी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद की अध्यक्षता में पाकिस्तान के न्यायिक आयोग ने गुरुवार को न्यायमूर्ति आयशा मलिक को पांच मतों के बहुमत से सुप्रीमकोर्ट का जज बनने को लेकर मंजूरी दे दी है। बता दें कि, आयशा मलिक के पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के जज बनने के निर्णय पर दूसरी बार बैठक की गई थी। इससे पहले पिछले साल 9 सितंबर को आयशा का नाम जज के लिए दिया गया था लेकिन सबका मत नहीं मिलने के कारण आयशा का नाम खारिज कर दिया गया था।

बार एसोसिएशन ने किया था विरोध

बता दें कि, न्यायमूर्ति आयशा मलिक के सुप्रीम कोर्ट जज की नियुक्ति को लेकर कई विरोध भी हुए। पाकिस्तान के बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल लतीफ अफरीदी ने देशव्यापी विरोध किया था और मीडिया से बातचीत के दौरान अपने बयान में कहा था कि, आयशा मलिक सुप्रीम कोर्ट के जज की नियुक्ति के लिए जुनियर हैं। गुरूवार को पाकिस्तान बार काउंसिल ने धमकी भी दी थी कि अगर जस्टिस आयशा मलिक को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया तो कोर्ट का बहिष्कार किया जाएगा। हालांकि, पाकिस्तान के न्यायिक आयोग के सिफारिश पर संसदीय समिति काफी सहमत है और इसलिए जस्टिस आयशा मलिक अब पाकिस्तान की पहली महिला सुप्रीम कोर्ट की जज बनने के कगार पर आ चुकी हैं।

कौन है आयशा मलिक

आयशा मलिक ने हार्वर्ड लॉ स्कूल से एलएलएम ग्रेजुएट किया है।साल 2012 में आयशा लाहौर उच्च न्यायालय मेंन्यायाधीश के रूप में नियुक्त हुई थी। इससे पहले वह एक प्रमुख कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून फर्म में पार्टनर भी रह चुकी हैं। इस दौरान वह लाहौर उच्च न्यायालय में चौथी सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। आयशा को उनके अनुशासन, निष्पक्षता और अखंडता के लिए जाना जाता है। आयशा ने कई मुद्दों पर फैसला सुनाया है जिसमें से चुनावों में संपत्ति की घोषणा, गन्ना उत्पादकों को भुगतान और पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता लागू होना शामिल है। अगर आयशा सुप्रीम कोर्ट के जज के लिए नियुक्त हो जाती है तो वह साल 2031 तक काम करेंगी।

अमेरिका के अस्पतालों में 100 फीसदी वेंटिलेटर का हो रहा इस्तेमाल, विशेषज्ञ का दावा- ओमीक्रोन को हल्के में न लें, मास्क पहनें

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)

अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण ने सबसे ज्यादा हड़कंप मचाया हुआ है। यहां पर हर दिन 10 लाख से अधिक कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। संक्रमितों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है, लेकिन कोरोना का मौजूद वेरिएंट डेल्टा की तुलना में हल्का है। विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पतालों में वेंटिलेटर की जरूरत नहीं पड़ रही है। सामने आ रहे इस तरह के दावों के बीच अमेरिकी महामारी विशेषज्ञ फहीम योनुस ने सभी को चेताते हुए कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' को हल्का समझने की भूल नहीं करें। उन्होंने कहा कि इस ओमीक्रोन को हल्के में न लें, क्योंकि उनके अस्पताल में सारे वेंटिलेटर भर गए हैं। अमेरिकी यूनिवर्सिटी ऑफ मेरिलैंड में महामारी मामलों के विशेषज्ञ डॉ. फहीम योनुस ने मेरिलैंड के अस्पताल में आईसीयू भरे होने की जानकारी देते हुए एक ट्वीट में लिखा कि मेरे अस्पतालों में 100 फीसदी वेंटिलेटर का इस्तेमाल कोरोना मरीजों के लिए हो रहा है। मास्क पहने, कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लें और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। वहीं उन्होंने इस तरह के दावों को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया कि ओमीक्रोन से बचना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप इस खतरे से बच सकते हैं और आपको इससे बचना चाहिए। दरअसल, उन्होंने मास्क पहनने और वैक्सीन की बूस्टर डोज लेने पर जोर दिया।

ओमीक्रोन से बचने के लिए लें बूस्टर डोज !

डॉ. फहीम योनुस ने एक अन्य ट्वीट में संक्रमित हो रहे लोगों की क्रोनोलॉजी समझाई। उन्होंने अपने अस्पताल के कोरोना मरीजों के आंकड़ों के हिसाब से एक डेटा तैयार किया। जिसके मुताबिक उनके अस्पताल में भर्ती हुए कोरोना संक्रमितों में से 76 फीसदी ऐसे हैं, जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली है। जबकि वैक्सीन की एक या फिर दो डोज ले चुके संक्रमित लोगों की संख्या 24 फीसदी है और बूस्टर डोज लेना वाला कोई भी संक्रमित व्यक्ति उनके अस्तपाल में नहीं है। वहीं उन्होंने एक अध्ययन के माध्यम से बताया कि बूस्टर डोज ने कोरोना से होने वाले मौत के खतरे को 90 फीसदी तक कम कर दिया है।

कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगी लहर

डॉ. फहीम योनुस का मानना है कि ओमीक्रोन की लहर कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आप इस संक्रमण को रोक सकते हैं। इसके लिए आप लोगों को मास्क पहनना पड़ेगा और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूरियां बनानी होगी। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि यह एक खतरनाक और लापरवाह विचार है कि 'ओमीक्रोन इतना ज्यादा संक्रामक है कि सभी इसकी चपेट में आ जाएंगे। इसे रोकने की कोशिश करने का कोई मतलब नहीं है। यह सबसे अच्छी वैक्सीन है।

सीरिया में आईएसआईएल सक्रिय, रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के आरोपों पर अत्यधिक ध्यान की जरूरत: भारत

संयुक्त राष्ट्र। आईएसआईएल के सीरिया में सक्रिय रहने और युद्धक क्षमताओं को फिर से मजबूत करने की कोशिशों के बीच भारत ने जोर देकर कहा है कि रासायनिक हथियारों के उपयोग के आरोपों पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत ने आतंकवादी संगठनों और व्यक्तियों के रासायनिक हथियारों तक पहुंच की संभावना के प्रति आगाह किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने कहा, 'भारत बार-बार इस क्षेत्र में आतंकवादी संगठनों और रासायनिक हथियारों तक पहुंच प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की आशंका के प्रति आगाह करता रहा है।' बुधवार को सीरिया (रासायनिक हथियार) पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चर्चा में, तिरुमूर्ति ने कहा कि दाएश / आईएसआईएल (यूनिटाड) द्वारा किए गए अपराधों के लिए जवाबदेही पर जोर देने के लिहाज से जांच दल की रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी समूह द्वारा रासायनिक हथियारों की बार-बार तैनाती का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा, 'आईएसआईएल सीरिया में सक्रिय है, जहां समूह अपनी लड़ाकू क्षमताओं के पुनर्निर्माण की कोशिश कर रहा है। इसलिए, रासायनिक हथियारों के उपयोग के आरोपों पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।' तिरुमूर्ति ने परिषद को बताया कि भारत किसी के द्वारा, कहीं भी, किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ है।

एक नजर

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से शिक्षकों ने लगाई गुहार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के वित्त पोषित शिक्षकों और कर्मचारियों ने शुक्रवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत कर अपनी समस्याओं को साझा किया। 12 कॉलेजों के वित्त पोषित शिक्षकों और कर्मचारियों को पिछले 2 से 6 महीनों से वेतन ना मिलने के कारण उन्हें बेहद अमानवीय जीवन जीना पड़ रहा है। यह शिक्षकों के ष्जीवन जीने के अधिकार एवं मानवाधिकारों,का सीधे तौर पर उल्लंघन है। आदेश गुप्ता ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौर में भी पूरी ग्रांट न मिलने के कारण दिल्ली के शिक्षकों के मेडिकल बिल,बच्चों की शिक्षा भत्ता पिछले दो सालों से बाकी है। लंबे समय से प्रत्येक वर्ष 4 से 10 करोड़ के वितीय घाटे की मार इन 12 कॉलेजों पर पड़ रही है। यह दिल्ली सरकार के तथाकथित शिक्षा मॉडल की पोल खोलकर उसकी असफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों को वेतन ना मिलने से उनको अपने परिवार के भरण पोषण एवम घर इत्यादि की किस्ते आदि देने में अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ऑड-ईवन के उल्लंघन पर डीडीएमए जताई नाराजगी

नई दिल्ली। दिल्ली में गैर आवश्यक वस्तुएं बेचने वाली दुकानों के खुलने में ऑड-ईवन नियम का उल्लंघन होने के मद्देनजर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने शुक्रवार को नाराजगी जताते हुए सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पड़ने वाली सभी दुकानों को संख्याबद्ध करने को कहा है। डीडीएमए ने जिलाधिकारियों और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को भी कहा है कि कोविड-19 प्रोटोकॉल के बाद किसी नगर निकाय क्षेत्र में सिर्फ एक साप्ताहिक बाजार के खुलने को सुनिश्चित किया जाए। बता दें कि प्राधिकरण ने 28 दिसंबर को अपने आदेश में निर्देश दिया था कि गैर आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं से संबद्ध दुकानें व प्रतिष्ठान, मॉल और साप्ताहिक बाजारों को उनकी संख्या के आधार पर ऑड-ईवन नियम के मुताबिक एक-एक दिन के अंतराल के बाद खोले जाने की अनुमति दी जाएगी। डीडीएमए ने कहा कि यह पाया गया है कि उक्त निर्देशों का उपयुक्त रूप से अनुपालन नहीं किया जा रहा है और यह देखा गया कि दुकानें समय-विषम नियम का अनुपालन किए बगैर खोली जा रही हैं। इसलिए, सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकारक्षेत्र में पड़ने वाली सभी दुकानों को 24 घंटों के अंदर संख्याबद्ध करने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा सिख प्रकोष्ठ का कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुरक्षा में हुए चूक से नाराज प्रदेश भाजपा सिख प्रकोष्ठ द्वारा शुक्रवार को सेंट्रल कांग्रेस कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए आदेश गुप्ता ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे देश का होता है और वह उस देश की धरोहर होता है जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हर एक नागरिक की होनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस द्वारा जानबूझकर की गई इस साजिश के कारण आज देश की जनता कांग्रेस की असलियत समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने षड्यंत्र रचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश की। पंजाब में सिखों के अंदर हिन्दू-सिख को प्रधानमंत्री के खिलाफ भड़काया लेकिन उसमें नाकामयाब रहे। आज कुर्सी और देश के बीच कुर्सी को प्राथमिकता देने वाले राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी की सोच और कृत्य पूरा देश समझ चुका है।

एम्स में अगले आदेश तक सर्जरी बंद, ओपीडी प्रभावित

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, (एम्स) में शुरू हुई कोविड सुविधाओं के कारण एक बार फिर सर्जरी स्थगित कर दी गई है। वहीं ओपीडी स्पेशलिटी क्लीनिक को भी नए मरीजों के लिए बंद कर दिया गया है। अब केवल वहीं मरीज आ सकते हैं जो लंबे समय से एम्स में उपचार करवा रहे हैं और उन्हें डॉक्टर ने बुलाया हो। एम्स के चिकित्सा निदेशक डॉ. डीके शर्मा द्वारा जारी

हजारों मरीजों को फिर लेनी होगी तारीख

किए गए आदेश में कहा गया कि देश में तेजी से बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए एम्स की ओपीडी सेवाओं, इनपेशेंट प्रवेश और नियमित प्रक्रियाओं, गैर आवश्यक सर्जरी को लेकर नए नियम बनाए गए हैं। अब एम्स अस्पताल और सभी केंद्रों में ओपीडी सेवाएं प्रतिबंधित पंजीकरण के साथ काम करती रहेंगी, जो केवल पूर्व नियुक्ति रोगियों (नए और अनुवर्ती) तक सीमित होंगी।

सभी स्पेशलिटी क्लीनिकों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाएगा और स्पेशियलिटी क्लीनिक फॉलो-अप रोगियों को केवल फॉलो-अप अपॉइंटमेंट स्लॉट मिलने के बाद ही बुलाया जाएगा।

वहीं एम्स में भर्ती मरीज और सभी नियमित प्रक्रियाएं-गैर आवश्यक सर्जरी अगले आदेश तक अस्थायी रूप से रोक दी गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। बता दें कि एम्स में कोविड सुविधाएं शुरू होने व लगाए गए प्रतिबंध के बाद यहां आने वाले हजारों मरीजों को दिक्कत होगी।

24 घंटे में 17335 मामले, 9 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को कोरोना से संक्रमण दर 18 फीसदी के करीब पहुंच गया। वहीं सवा 6 माह बाद दिल्ली में कोरोना से सबसे ज्यादा मौत हुई। दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 40 हजार के करीब पहुंच गए हैं। इनमें आधे से ज्यादा मरीज अपने घरों में अपना इजाल करवा रहे हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शुक्रवार को कोरोना के 17335 नए मरीज सामने आए। वहीं 8951 मरीजों को छुट्टी दी गई। वहीं 9 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1506798 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1441789 मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। वहीं 25136 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.67 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 39873 हो गए हैं। इनमें से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 1390 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 529, हेल्थ सेंटर में 1 और होम आइसोलेशन में 20695 मरीज भर्ती हैं।

दिल्ली में होम आइसोलेशन की अवधि 14 से घटाकर 7 दिन की गई

लक्षण गंभीर हों तो ही अस्पताल का रुख करें लोग: जैन

■ नई दिल्ली

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों ने भी स्पष्ट किया है कि कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट माइल्ड और कम घातक है। लिहाजा, होम आइसोलेशन में इसका इलाज संभव है। होम आइसोलेशन की अवधि घटा कर 7 दिन कर दी है। 7 दिन के होम आइसोलेशन खत्म होने के अगर 3 दिन तक बुखार नहीं आता तो टेस्ट करने की कोई आवश्यकता नहीं है, आप अपने काम पर वापस लौट सकते हैं। यह कहना है दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का। शुक्रवार को उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि गुरुवार को

पॉजिटिविटी दर 15.34 फीसद रही है। ओमीक्रोन बहुत तेजी से फैल रहा है। दिल्ली में एक्टिव केस की सख्या 31,498 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने कोरोना की रोक-थाम के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। जिम, स्कूल कॉलेज और अनावश्यक स्थलों को बंद कर रखा गया है। दिल्ली में लॉकडाउन नहीं लगा है।

मजदूरों को घबराने की कोई जरूरत नहीं: स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य पहले की तरह सामान्य रूप से चलता रहेगा। मजदूरों व प्रवासी कामगारों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने निर्माण मजदूरों को आश्वस्त करते हुए बताया कि दिल्ली में साप्ताहिक कर्फ्यू लगा है, लॉकडाउन नहीं। इसलिए मजदूरों एवं प्रवासी कामगारों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, दिल्ली में केवल साप्ताहिक प्रतिबंध लागू है। कोरोना की रोकथाम के लिए मास्क लगाना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना ही बचाव के सबसे बेहतरीन उपाए है। गंभीर लक्षण होने पर ही अस्पतालों का रुख करें। मंत्री ने लोगों से कोरोना से जुड़े नियमों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा के लिए मास्क पहनने और सोशल डिस्टन्सिंग का पालन करने का निवेदन किया और कहा कि केवल सावधानी ही इसका बचाव है। अनावश्यक कार्यों के लिए घर से बाहर न निकलें।

अस्पतालों में 1091 मरीज ही भर्ती

जैन ने बताया कि दिल्ली के अस्पतालों में कुल 1091 मरीज भर्ती हैं, जिसमें से 869 दिल्ली के मरीज है। कोरोना की पहली लहर से तुलना करें तो इस बार अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 6 गुना तक कम हुई है। दिल्ली में कोविड की यह पांचवी लहर है और इसका पीक कुछ ही हफ्तों या दिनों में आ सकता है। दिल्ली में कुछ स्वास्थ कर्मियों, डॉक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ के पॉजिटिव होने के मामले भी सामने आये हैं। हालांकि, यह संख्या बहुत कम है। उन सभी का इलाज चल रहा है और उम्मीद है कि वे जल्द ही स्वस्थ हो कर वापस लौटेंगे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गंभीर से गंभीर परिस्थिति

से निपटने के लिए सभी संसाधनों, चिकित्सा केंद्रों और अस्पतालों को तैयार रखा गया है। हम सभी लोगों से अनुरोध करते हैं कि गंभीर लक्षण होने पर ही अस्पताल जाएं। मामूली लक्षण नजर आने पर न घबराएं। गंभीर लक्षण महसूस होने पर ही अस्पताल जाएं। होम आइसोलेशन में इलाज संभव है।

पांच साल के बेटे को पिता ने पीट-पीट कर मार डाला

■ नई दिल्ली

मां ने गंभीर अवस्था में बेटे को अस्पताल में भर्ती किया, पिता गिरफ्तार

राजधानी दिल्ली के नेब सराय इलाके में अपनी मां के मोबाइल पर गेम खेलने और कहने के बाद भी पढ़ाई न करने से गुस्साए एक व्यक्ति ने 6 जनवरी की रात को अपने पांच साल के बेटे की पीट पीट कर हत्या कर दी। आरोपी पिता की पिटाई से घायल बेटे को मां ने गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हुई। अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पहुंची नेब सराय थाना पुलिस ने हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी पिता आदित्या पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस उपायुक्त बेनिता मैरी जैकर ने बताया कि मृतक बच्चा 5 वर्षीय पंडित ज्ञान पांडेय उर्फ उत्कर्ष अपने परिवार के साथ खानपुर गांव स्थित नारायन अपार्टमेंट में रहता था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 6 जनवरी की रात को नेब सराय थाना पुलिस को साकेत स्थित एक निजी अस्पताल से घटना की सूचना मिली। पुलिस को बताया गया था कि अचेत अवस्था में अस्पताल में लाया गया 5 साल का एक बच्चे मृत पाया गया है। सूचना पर एसआई भगवान और कांस्टेबल रमेश अस्पताल पहुंचे, जहां पता चला कि बच्चे को उसकी मां रात करीब 10 बजे के आसपास अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर आई थी। बच्चे के शरीर पर चोट के कई निशान भी मौजूद थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुरुआत में मृतक के माता-पिता ने डॉक्टरों को बच्चे के चोट लगने को लेकर कोई जानकारी नहीं दी थी। जब पुलिस ने दोनों से पूछताछ की तो दोनों ने पुलिस को भी संतोष जनक जवाब नहीं दिया। पुलिस बच्चे के शरीर की जांच की तो पाया कि उसके शरीर पर चोट के कई सारे निशान मौजूद हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस केस दर्ज कर जांच करने लगी। इसी बीच आरोपियों के पड़ोसी ने पुलिस को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर किसी ने सूचना दी कि एक बच्चे के साथ उसके पिता ने मारपीट की थी, जिससे वह चोटिल हो गया था और बाद में उसकी अस्पताल में मौत हो गई है। सूचना के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को रखवा दिया और हत्या की धारा में केस दर्ज कर मृतक बच्चे के आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

पीएम की सुरक्षा में चूक, भाजपा का राजघाट पर मौन धरना

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को दिल्ली के राजघाट में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक की निंदा करते हुए मौन धरना दिया। साथ ही कांग्रेस को सद्बुद्धि देने के लिए प्रार्थना की।

इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन एवं विजय गोयल, सांसद रमेश बिधूड़ी एवं प्रवेश साहिब सिंह, असम भाजपा के सह-प्रभारी पवन शर्मा, भाजपा महामंत्री एवं कार्यक्रम के संयोजक हर्ष मल्होत्रा सहित अन्य पदाधिकारी एवं भाजपा नेता मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि कांग्रेस का इस समय पंजाब में सत्ता से जाना तय हो चुका है और कांग्रेस जब जब सत्ता में गायब हुई है तब तब अराजकता फैलाने का काम किया है। आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काफिले को पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक क्लीन चिट मिलने के बाद रोकने का काम किया गया, वह एक सोची समझी साजिश थी। राहुल गांधी को पाकिस्तानी टीवी चैनल के हीरो बताते हुए दुष्यंत गौतम ने कहा कि राहुल गांधी तो वह भाषा बोलते हैं जो चीन उन्हें बताता है। राहुल गांधी को यह जानकारी होना चाहिए कि श्रीलंका में जब राजीव गांधी के ऊपर हमला हुआ था तो उस वक्त हम सब उनके साथ खड़े थे, लेकिन आज सत्ता पाने की लालच में राहुल गांधी को देश के प्रधानमंत्री की गरिमा से ज्यादा कुर्सी जरूरी है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि अगर किसी प्रधानमंत्री ने बॉर्डर पर ईंट का जवाब पत्थर से हमारे जवानों के द्वारा दिया गया है तो वह सिर्फ नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में हुआ है, चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या फिर एयर स्ट्राइक। आज जब कांग्रेस की गलती पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है तो उनके नेता अलग-अलग तरह की बातें कर रहे हैं।

दक्षिणी निगम ने गिफ्ट-ट्री योजना के तहत 76 पौधे लगाए

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम द्वारा शुरू की गई गिफ्ट-ट्री योजना के तहत शुरूआती 3 महीने में ही पौधे लगाने के लिए 66 आवेदन आए और 76 पौधे लगा दिए गए है। 76 में से 33 लोग ऐसे है जिन्होनें अपनों की याद में पौधे लगवाएं, 22 लोगों ने पौधा लगाकर जन्मदिन को मनाया और 4 लोगो ने पौधा लगाकर शादी की सालगिरह को मनाया। इसके अलावा 17 लोगों ने पौधे लगाने का कारण नहीं बताया लेकिन ऐसा कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दिया। यह पौधे जनकपुरी,पंजाबी बाग एक्सटेंशन, जीके 2, सेक्टर-7 एवं 16 द्वारका, डिफेंस कॉलोनी और वसंत कुंज क्षेत्र में लगाए गए है। गिफ्ट, ट्री योजना के तहत नागरिक अपने प्रियजनों के जन्मदिन वर्षगांठ व अन्य अवसरों पर पौधे लगवा सकते है जिसके लिए उन्हें निगम की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। नागरिकों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से चिन्हित पार्कों को सर्च करना होगा और निर्धारित शुल्क 2000 रु का भुगतान कर पौधारोपण किया जा सकता है ।

निरीक्षण *एसडीएम सदर बाजार शुक्रवार को स्थानीय एसीपी, एसएचओ व अन्य पुलिस अधिकारी व सोशल वर्करों के साथ सदर बाजार में कोरोना प्रोटोकॉल का निरीक्षण करते हुए।*

कुख्यात शराब तस्कर पर पुलिस ने लगाया मकोका

नई दिल्ली। दिल्ली के कुख्यात शराब तस्कर जोगिन्द्र उर्फ जोगा पर दिल्ली पुलिस ने मकोका के तहत एफआईआर दर्ज की है। सागरपुर थाना पुलिस ने 4 जनवरी को जोगा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले जोगिन्द्र उर्फ जोगा के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, दुष्कर्म, चोरी, एनडीपीएल एक्ट, आर्म्स एक्ट के तहत 108 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त गौरव शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में मामले दर्ज होने के बाद भी आरोपी लगातार वारदातों को अंजाम दे रहा था।

बजट राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के चलते होने वाली परेशानी को देखते हुए एनडीएमसी ने इस बार अपने बजट प्रस्तावों में साफ हवा पर ध्यान केंद्रित किया है।

एनडीएमसी ने पेश किया बजट, लुटियन दिल्ली को प्रदूषणमुक्त बनाने पर जोर

■ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने अगले वित्त वर्ष के लिए शुक्रवार को अपना बजट पेश किया। इसमें लुटियन दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने वाली योजनाओं पर जोर दिया गया है। इस दिशा में बढ़ने के लिए एनडीएमसी अब केवल इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद करेगा। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के चलते होने वाली परेशानी को देखते हुए एनडीएमसी ने इस बार अपने बजट प्रस्तावों में साफ हवा पर ध्यान केंद्रित किया है। शुक्रवार को हुई बैठक में 135.84 करोड़ रुपये के फायदे का बजट पेश किया गया। प्रदूषण को कम करने के

लिए बजट में संकल्प लिया गया है कि परिषद का ध्यान पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों पर होगा। आगे पेट्रोल और डीजल वाहनों की बजाय सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद की जाएगी। जबकि,अभी जो पेट्रोल-डीजल वाहन हैं, उन्हें भी चरणबद्ध तरीके से बाहर किया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए परिषद ने अभी तक कुल 60 ई.चार्जिंग स्टेशन बनाए हैं। जबकि,सालभर में सौ और जगहों पर ई-चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे ताकि, इलेक्ट्रिक वाहनों को कहीं भी चार्ज करने की परेशानी नहीं झेलनी पड़े। इसके अलावा, परिषद की ओर से साइकिल शेयरिंग योजना की तरह की ई-स्कूटर की सुविधा भी शुरू की जाएगी। जहां पर लोग किराए पर ई-स्कूटर ले सकेंगे। जबकि, खुली और धूल उड़ने की संभावना वाली जगहों पर हरित पट्टी विकसित की जाएगी। इसके साथ ही पेड़ों की धुलाई, मैकेनिकल रोड स्वीपिंग और फॉग स्प्रेयर की तैनाती से भी प्रदूषण को कम किया जाएगा। एनडीएमसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र की अध्यक्षता में हुई विशेष बैठक में बजट प्रस्ताव पेश किए गए। परिषद उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, विधायक वीरेन्द्र सिंह कादियान, कुलजीत सिंह चहल,वैशाखा सैलानी,गिरीश सचदेवा,आशुतोष अग्निहोत्री सहित अन्य लोग बैठक में शामिल रहे।

ग्रीन एनर्जी को दिया जाएगा बढ़ावा

परिषद अपने यहां पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देगी। बजट में कहा गया है कि एनडीएमसी ने खुद को देश के सौ फीसदी नवीकरणीय ऊर्जा नगर निकाय के रूप में स्थानांतरित करने की महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है। इस क्रम में सबसे पहले थर्मल पावर जेनरेटिंग स्टेशनों के साथ बिजली खरीद समझौते की समाप्ति के बाद उन्हें नवीनीकृत नहीं किया जाएगा। इसके समानांतर पनबिजली, सौर ऊर्जा व अन्य अक्षय ऊर्जा प्रदाताओं के साथ नए खरीद समझौते किए जा रहे हैं।

संपत्तिकर में कोई इजाफा नहीं

एनडीएमसी ने अपने बजट में संपत्ति कर में इजाफे का प्रस्ताव नहीं किया है। हालांकि, कर राजस्व 930 के उच्चतम स्तर पर रहने का अनुमान है। कोविड की स्थिति के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 135.84 करोड़ रुपए और वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 178.95 करोड़ रुपए के मध्यम मुनाफे का अनुमान बजट में किया गया है।

संपादकीय

चूक या लापरवाही

निस्संदेह, यह गंभीर चिंता की बात ही कही जायेगी कि कार्यपालिका के शीर्ष व्यक्ति का काफिला बीस मिनट तक एक ओवरब्रिज पर बंधक जैसी स्थिति में खड़ा रहे। इसे सिर्फ चूक नहीं बल्कि गंभीर लापरवाही ही कहा जायेगा कि लगातार भारत विरोधी गतिविधियों में दशकों से लिप्त रहने वाले देश की सीमा से कुछ किलोमीटर दूरी पर प्रधानमंत्री का काफिला असहाय जैसी स्थिति में नजर आये। साथ ही वे पूर्व निर्धारित रैली में भाग लिये बिना वापस लौट जायें। निस्संदेह, बुधवार को बठिंडा से राष्ट्रीय शहीद स्मारक के लिये निकले प्रधानमंत्री के काफिले के रूट की जानकारी पंजाब सरकार व पुलिस को रही होगी। बताया जाता है कि बारिश व कम दृश्यता के चलते प्रधानमंत्री ने सड़क मार्ग से जाने का फैसला लिया था। सवाल यह कि जब विरोध करने वाले किसान इतने कम समय में विरोध के लिये जुट सकते हैं तो पुलिस इस बाबत जानकारी क्यों नहीं जुटा पायी। फिर जानकारी प्रधानमंत्री के काफिले के सुरक्षा अधिकारियों को क्यों नहीं दी गई। राजनीतिक विरोध अपनी जगह होता है लेकिन देश के शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा से कदापि समझौता नहीं किया जा सकता। खासकर पंजाब जैसे राज्य में जहां विगत में अशांति का लंबा दौर चला हो, वहां देश के विशिष्ट लोगों की सुरक्षा में कतई कोताही नहीं बरती जा सकती। एक साल चले किसान आंदोलन में किसानों ने संयम व शांतिपूर्ण व्यवहार का ही प्रदर्शन किया। कमोबेश उनकी सभी मांगें मान भी ली गईं, फिर इस तरह से प्रधानमंत्री का रास्ता रोकना गरिमामय व तार्किक नहीं लगता। मामले में गृह मंत्रालय ने भी रिपोर्ट मांगी है और जवाबदेही तय करने की बात कही है। जैसा कि तय था, इस मुद्दे पर राजनीति होनी ही थी। जहां इस मुद्दे पर भाजपा आक्रामक नजर आ रही है और राज्य की कांग्रेस सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है वहीं कांग्रेस फिरोजपुर रैली में भीड़ न जुटने की बात कहकर प्रधानमंत्री के वापस लौटने की बात कर रही है।

एक ओर जहां पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब की कांग्रेस सरकार को चूक का दोषी बताते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग कर रहे हैं, वहीं कुछ कांग्रेसी नेता भी घटना को गलत मान रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुनील जाखड़ ने बुधवार की घटना को पंजाबियत के खिलाफ बताया। कहा कि यदि प्रधानमंत्री राजनीतिक रैली को संबोधित करने वाले थे तो सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित किया जाना चाहिए था। यही लोकतांत्रिक परंपरा की दरकार भी है। निस्संदेह इस चूक के कारणों की पड़ताल होनी चाहिए। विगत में हमने ऐसी चूक के चलते एक प्रधानमंत्री व एक पूर्व प्रधानमंत्री को खोया है। ऐसे में एक राज्य जहां पड़ोसी देश की विध्वंसक गतिविधियां लगातार चलती रहती हैं, वहां हमें विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहिए। निस्संदेह, घटनाक्रम का सच सामने आना ही चाहिए। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा चूक के बाबत जानकारी दी। राष्ट्रपति ने भी गंभीर चूक पर चिंता जतायी। साथ ही उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके मामले में फिक्र का जिक्र किया। इससे पहले प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि कैसे पंजाब पुलिस व खुफिया विभाग को उस रास्ते की स्थिति की जानकारी नहीं थी, जिससे काफिला गुजरना था। अगर किसान धरना दे रहे थे तो उन्हें हटाया क्यों नहीं गया। साथ ही काफिले के सुरक्षा अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। सवाल यह भी कि काफिले का मार्ग बदलने की सूचना तत्काल आंदोलनकारियों को कैसे मिली। इतनी जल्दी वे इतनी बड़ी तादाद में कैसे एकत्र हो गये। वहीं सुरक्षा जानकार भी मान रहे हैं कि पाकिस्तान बॉर्डर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर प्रधानमंत्री का एक जगह पंद्रह-बीस मिनट फंसे रहना खतरनाक हो सकता था। निस्संदेह, प्रधानमंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी की होती है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की भी बनती है। वैसे भी सुरक्षा कारणों से विशिष्ट लोगों के रूट तो अचानक बदले भी जाते हैं और तत्काल सुरक्षा की तैयारी भी की जाती है।

शांति और उम्मीद की किरण

संभवतः पहली बार हुआ है जब परमाणु हथियार रखने पर अकड़ न दिखाते हुए पांच बड़ी परमाणु शक्तियों ने अपने पूर्व रुख से विपरीत ऐसा कुछ कहा है जो संकटों से जूझरही दुनिया में उम्मीद की किरण की तरह है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन ने साझा बयान में कहा है कि परमाणु युद्ध न तो कोई जीत सकता है और न ही लड़ा जाना चाहिए। इनका कहना है कि अब परमाणु हथियारों का प्रसार रोका जाना चाहिए। बयान ऐसे वक्त जारी हुआ है जब परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की ताजा समीक्षा को कोविड-19 के कारण टाल दिया गया है। चार जनवरी को होने वाली समीक्षा बैठक को सुरक्षा परिषद के पांचों स्थायी सदस्यों ने स्थगित कर दिया। पांचों परमाणु शक्तियां सहमत थीं कि उन उपायों को मजबूत करेंगी जिनसे परमाणु हथियारों का अनधिकृत उपयोग न हो। संधि की उस धारा पर भी प्रतिबद्धता जताई गई जिसके तहत सभी देश भविष्य में पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए वचनबद्ध हैं। 191 देश एनपीटी पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। संधि के प्रावधान के तहत हर पांच साल में इसकी समीक्षा की जाती है। रूस और चीन के साथ अमेरिका का तनाव शीत युद्ध के बाद अब तक के चरम पर है। रूस के यूक्रेन सीमा पर बड़े सैन्य जमावड़े के बाद दोनों बड़ी ताकतों में उग्र बयानबाजी के बाद से ही पाले खिंचे हुए हैं। चीन से तनाव भी जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद से लगातार बढ़ रहा है। चाहे व्यापार नीतियों को लेकर चीन की आक्रामकता हो या ताइवान पर बढ़ती तनातनी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मौजूदा मुश्किल हालात में पांचों प्रमुख परमाणु शक्तियों के शांति की उम्मीद जगाने वाले कदम अंतरराष्ट्रीय तनाव का स्तर घटाने में मददगार होंगे। 'परमाणु युद्ध जीता नहीं जा सकता', यह विचार पूर्व सोवियत संघ के नेता मिखाइल गोर्बाचेव और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1985 में पेश किया था। एनपीटी चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका को ही परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता देती है जबकि भारत और पाकिस्तान भी परमाणु हथियार विकसित कर चुके हैं। यह भी माना जाता है कि इस्राइल के पास भी परमाणु हथियार हैं। तीनों ने ही एनपीटी पर दस्तखत नहीं किए हैं। उत्तर कोरिया ने 2003 में इस संधि से खुद को बाहर कर लिया था। जब तक परमाणु हथियार रहेंगे दुनिया पर खतरा बना रहेगा, इन हथियारों कों नष्ट करके परमाणु तकनीक के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

परिधि/विशाल तिवारी

नावन दो जी भरके

सोशल मीडिया पर जबलपुर (मध्य प्रदेश) के एक थाने में ड़ांस करते तीन पुलिसकर्मियों का वीड़ियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमा सकते में है। शिकायत मिलने के बाद तीनों पुलिसकर्मियों से एसएसपी ने पूछताछ की और पूरी जांच रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। संभव है कि जांच के बाद इन पुलिसकर्मियों पर मर्यादा उल्लंघन के संबंध में कार्रवाई भी हो। सिर्फ अनुशासन के के दृष्टीकोण से देखें तो यह उचित भी है। और जरूरी भी। मगर इसे बेहद गंभीर अपराध के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। कार्रवाई करते समय मानवीय पक्ष को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि वीड़ियो साल के आखिरी दिन का है, जब सारी दुनिया नये साल के स्वागत के जश्न में डुबी थी। ऐसे में चाहते हुए भी कोई खुद को अलग नहीं रख सकता। सवाल सिर्फ घटना विशेष का नहीं है। अमूमन वर्दीधारियों से संबंधित कोई तस्वीर या वीड़ियो सामने आने पर चर्चा का विषय बन जाता है। चूंकि वर्दी की छाप लोगों के जेहन में स्टीरियोटाइप सरीखी होती है। वो उसके इतर देखते ही नहीं। ऐसे में किसी पुलिस वाले की कोई कलात्मक प्रतिभा जब-तब चर्चा का विषय बन जाती है जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। इसे सामान्य मानवीय व्यवहार के तौर पर लेना चाहिए। पुलिसिंग सबसे चुनौतीपूर्ण कामों में से एक है। लगातार घंटों ड़्यूटी करनी पड़ती है। समय-समय पर आने वाली रिपोटेफपुलिस वालों में तनाव की तस्दीक करती रही हैं। सेना-सुरक्षा बलों में आत्महत्या या साथी पर जानलेवा हमले की खबरें अक्सर सामने आती हैं। इसके मूल में मानसिक तनाव रहता है। यह बात अन्य पेशों पर भी लागू होती है। शोध इस बात पर जोर देते हैं कि बेहतर उत्पादकता के लिए कर्मचारियों को तनाव मुक्त रखा जाना चाहिए। बेहद तनावपूर्ण माहौल में काम कर रहे लोगों पर तो यह बात खास तौर पर लागू होती है। बहुत ज्यादा अनुशासन भले ही व्यक्ति को नियंत्रित रखता हो, मगर लगातार इसी पर जोर दिए जाने से कुछ समय बाद सब कुछ मशीनी जैसा हो जाता है। कुछ-कुछ रोबोट की तरह। दुर्भाग्य से हम ऐसी दुनिया की तरफ बढ़ रहे हैं जहां कृत्रिम बुद्धि हावी होती जा रही है। मानव व्यवहार सीमित हो रहा है। ऐसे में हमें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि किसी की इच्छाओं का दमन न हो; उसे प्रोत्साहित किया जाए। आखिर, वर्दी में भी इंसान ही होते हैं!

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक या साजिश

सियाराम पांडेय 'शांत'

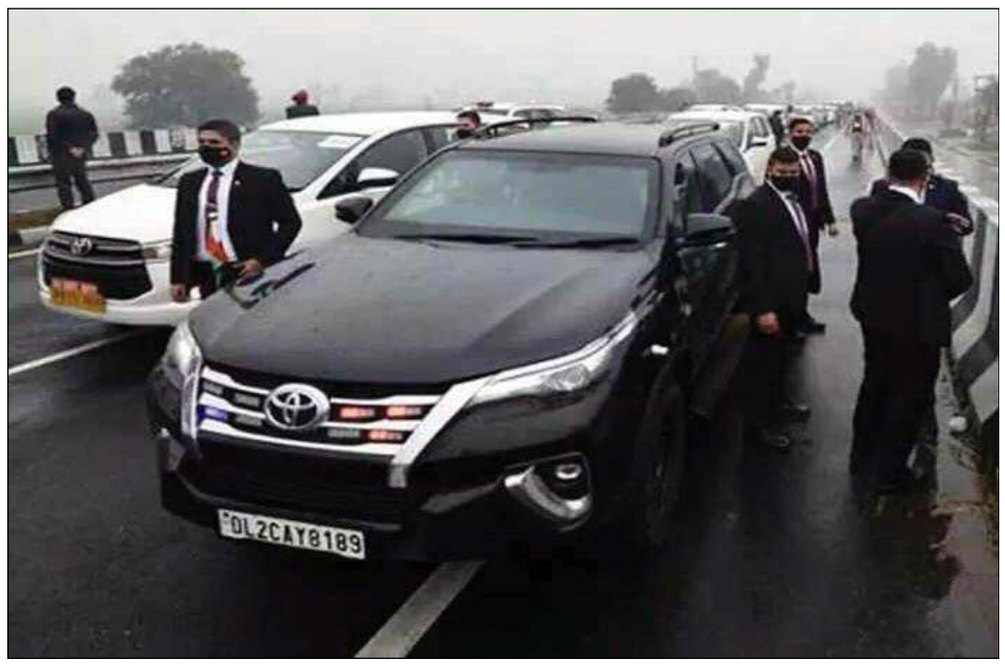

पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला गर्म है। यह कहा जाए कि यह राजनीतिक रूप ले रहा है तो भी कदाचित गलत नहीं होगा। पंजाब में हुई इस घटना के बाद कांग्रेस की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार सवालों के कठघरे में खड़ी है। देशभर में उसकी आलोचना हो रही है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का तर्क है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई है। अगर यह जरा भी सच है तो फरीदकोट और फिरोजपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को किसलिए निलंबित किया गया? क्या उन्हें बेमतलब सजा दे दी गई।यह चूक आखिर किसकी है? यह तो सुस्पष्ट होना ही चाहिए।

मौसम पर किसी का भी वश नहीं। वह कहीं भी, कभी भी खराब हो सकता है। अतिविशिष्ट लोगों के सड़क मार्ग से दौरे हमेशा चुनौतीपूर्ण होते हैं फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तो पाकिस्तान और चीन की बड़ी अदावत है, ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर तो वैसे भी रिस्क नहीं लिया जा सकता। यह सब जानते हुए भी प्रधानमंत्री के मार्ग का सार्वजनिक हो जाना कांग्रेस सरकार की लापरवाही और साजिश नहीं तो और क्या है? रूट लीक होने की पुष्टि करता एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें लाउडस्पीकर से भीड़ एकत्र करने और 20 ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ा कर मार्ग अवरुद्ध करने की बात कही जा रही है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह देश आतंकी हमलों में अपने दो प्रधानमंत्री खो चुका है और तीसरे प्रधानमंत्री को खोने का उसमें तनिक भी धैर्य नहीं है। जिस फ्लाईओवर के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला 20 मिनट तक फंसा रहा, उस जगह पहले भी विस्फोटक घटना हो चुकी है। कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए कि इंदिरा गांधी की हत्या जब उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की थी तो देश भर में सिखों के कत्लेआम शुरू हो गए थे। उनकी संपत्तियों को या तो लूट लिया गया था या फिर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया था। वह तो अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया। अगर उनके साथ कोई आतंकी घटना हो जाती तो देश में अशांति फैल जाती तो कांग्रेस क्या ऐसा कुछ करना चाहती थी।

> जो प्रान्त अपने प्रधानमंत्री को सुरक्षा नहीं दे सकता, वह अपनी सीमा को पड़ोसी देश से कैसे सुरक्षित रख सकता है।

सुनील जाखड़ ने अपने ही दल कांग्रेस की मुखालफत करते हुए कहा है कि पंजाब में मोदी को सुरक्षा न देना लोकतंत्र और पंजाबियत के अनुकूल नहीं है। कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुखदेव ढींढसा और शिरोमणि अकाली दल ने भी प्रधानमंत्री को पंजाब में माकूल सुरक्षा न देने की आलोचना की है और वहां राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग की है। जब एसपीजी ने मुख्य सचिव और गृह सचिव से रूट तय कर लिया था, तभी तो प्रधानमंत्री का काफिला उस मार्ग से रवाना हुआ था। अगर उस मार्ग पर पहले से ही किसान बैठे थे, आंदोलन कर रहे थे तो क्या प्रधानमंत्री को संकट में डालने की यह कांग्रेस की चाल थी। जिस तरह पुलिस ने तथाकथित प्रदर्शनकारी किसानों से झड़प के बाद भाजपाइयों पर लाठियां भांजी, उसका मंतव्य साफ है कि वहां जो कुछ भी हुआ, कांग्रेस सरकार की शह पर हुआ। कांग्रेस नहीं चाहती थी की प्रधानमंत्री पंजाब को 42 हर करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं का तोहफा दें। इसलिए उसने जान-बूझकर इस तरह की साजिश की। भाजपा शासित राज्यों में अगर इसी तरह का व्यवहार सोनिया, राहुल और प्रियंका के साथ होगा, तो क्या होगा? हालांकि भाजपा इस तरह का आचरण नहीं करती। एक तरफ तो कांग्रेस लोकतंत्र की बात करती है और दूसरी ओर लोकतंत्र को कमजोर करने की हरसंभव कोशिश करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतना सबके बाद भी सदाशयता पूर्ण व्यवहार ही किया। भटिंडा एयरपोर्ट पर उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अपने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहना कि मैं भटिंडा एयरपोर्ट जिंदा लौट पाया। अब तक के भारतीय इतिहास में किसी भी प्रधानमंत्री ने शायद ऐसी बात नहीं कही है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु में हुई हत्या भी सुरक्षा चूक का ही परिणाम थी। इसके बाद प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल में व्यापक बदलाव किया गया था। प्रधानमंत्री के रूट को बेहद गोपनीय रखा जाता है।

प्रधानमंत्री किसी दल विशेष का नहीं, पूरे देश का होता है। किसी राज्य के विकास को लेकर उसके कुछ इरादे होते हैं। योजनाएं होती हैं। प्रधानमंत्री को लेकर कांग्रेसी जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, उसका कोई औचित्य नहीं है। एकबारगी यह मान भी लें कि पंजाब के कांग्रेसी और सिख समाज प्रधानमंत्री से नाराज हैं तो भी प्रोटोकॉल के अनुरूप तो मुख्यमंत्री को व्यवहार करना चाहिए। अगर वे इतना सामान्य शिष्टाचार भी नहीं बरत सकते तो प्रधानमंत्री के प्रति उनका कितना सम्मान है, सहज ही प्रकट हो जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के वे नेता हैं जिन्हें दुनिया भर में विशेष सुरक्षा दी जाती है लेकिन अपने ही देश में उनके साथ जो गैर जिम्मेदाराना व्यवहार किया गया, उसे किसी भी से उचित नहीं कहा जा सकता। जो प्रान्त अपने प्रधानमंत्री को सुरक्षा नहीं दे सकता, वह अपनी सीमा को पड़ोसी देश से कैसे सुरक्षित रख सकता है। जो प्रान्त अपने देश की सेनाओं के युद्धाभ्यास रोक सकता है, उस प्रान्त की सरकार देशहित के लिए कितनी मुफीद है, इस पर विचार करने का वक्त आ गया है।

चर्चित चेहरा

दक्षिणी ध्रुव में हरप्रीत चंडी का प्रचंड

अरुण नैथानी

चारों तरफ निर्जन बर्फीला इलाका, बर्फबारी, रक्त जमाती ठंड में तेज हवाएं और अकेली जान। कल्पना करके ही रूह कांपती है। मगर सही मायनों में चंडी बनकर एक भारतवंशी हरप्रीत ने अकेले बर्फीले दक्षिणी ध्रुव पहुंचकर नया इतिहास रच दिया। एक आम स्त्री से इतर अपनी सीमाओं से परे जाकर हरप्रीत चंडी ने यह कारनामा कर दिखाया। वह कहती भी है कि 'मेरा यह अभियान मेरी क्षमताओं से कहीं आगे था। हममें अपनी सीमाओं से आगे जाकर अनूठा कर गुजरने का संकल्प होना चाहिए। खुद पर विश्वास करने से यह संकल्प पूरा हो सकता है।' अपने इस अभियान में हरप्रीत साहस-संकल्प के साथ आगे बढ़ती गईं। दुनिया को अपने नियमित ब्लॉग लेखन से अपनी कामयाबी के किस्से बताती रही। विषम परिस्थितियों में जूझते हुए आगे बढ़ने में गजब का जज्बा दिखाया हरप्रीत ने। इस तरह वह अकेले दक्षिणी ध्रुव का अभियान पूरा करने वाली पहली अश्वेत महिला बनकर इतिहास का हिस्सा बन गई।

दरअसल, दक्षिणी ध्रुव धरती का सबसे ठंडा, सबसे ऊंचा, सर्वाधिक शुष्क व तेज हवाओं वाला महाद्वीप है जहां सामान्य मानव जीवन संभव नहीं है। कोई स्थायी रूप से वहां रह नहीं सकता। यह अभियान शुरू करने से पहले हरप्रीत को भी दुनिया के इस जटिलतम परिवेश वाले इलाके के बारे में कोई खास जानकारी नहीं थी। लेकिन इस दुर्गम इलाके की मुश्किलों ने हरप्रीत को इस इलाके में जाने के लिये प्रेरित किया। दरअसल, बिना किसी सहायता के अकेले इस दुर्गम यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली हरप्रीत ब्रिटिश सेना की सिख रेजिमेंट की सैनिक अधिकारी हैं। कैप्टन हरप्रीत महज उन्नीस साल की उम्र में रिजर्व आर्मी में भर्ती हुई। फिर पच्चीस साल की उम्र में नियमित सेना का हिस्सा बनी। उसकी भूमिका फिजियोथेरेपिस्ट की है। वह सैन्य चिकित्सकों को प्रशिक्षण देती है। वर्तमान में ब्रिटिश सेना में क्लीनिकल ट्रेनिंग अधिकारी है। हरप्रीत ब्रिटेन में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के मेडिकल रेजिमेंट में नियुक्त है। साथ ही उसकी पढ़ाई भी जारी है और क्वीन मैरीज यूनिवर्सिटी से स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन में पीजी कर रही है। एक कुशल धावक भी है। एथलीट के रूप में कई मैराथनों में भाग लिया है। वह संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना का भी हिस्सा रही है, जिसके अंतर्गत उसने नेपाल, केन्या व दक्षिण सूडान में अपनी सेवाएं दीं।

इस कामयाबी को अंजाम देने वाली हरप्रीत 'पोलर प्रीत' के नाम से भी जानी जाती है। इस कठिन यात्रा के चालीस दिनों में हरप्रीत ने 1,127 किलोमीटर का सफर तय किया। यह सोचकर रूह कांपती है कि इस निर्जन इलाके में कैसे हरप्रीत ने शून्य से पचास डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान में नब्बे किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड वाली हवाओं के बीच यह यात्रा पूरी की होगी। साथ ही नब्बे किलो भार वाले स्लेज गाड़ी को अकेले खींचना, जिसमें उसका जीवन रक्षा का सामान रहता था। कुछ साल पहले तक ध्रुवीय दुनिया के बारे में कुछ न जानने वाली हरप्रीत आज उस पर विजय पताका लहरा चुकी है। उसकी सफलता का उद्घोष दुनिया को सही मायनों में नारी शक्ति की हकीकत का अहसास करा गया। निस्संदेह, हरप्रीत शारीरिक व मानसिक तौर पर एक मजबूत प्रतिनिधि चेहरा है। वह हमेशा से सामान्य जीवन से इतर कुछ खास करने को प्रतिबद्ध रही है। वह सामान्य से आगे अपना नया सामान्य बनाने में विश्वास रखती है। वह इसे परंपरा से विद्रोह नहीं मानती, लेकिन सामान्य की सीमाओं को तोड़ना चाहती है।

अपनी इस जटिल व बेहद कष्टकारी यात्रा का आंखों देखा हाल हरप्रीत बाहरी दुनिया को अवगत कराती रही। इसके लिये उसने लाइव ट्रैकिंग मैप अपलोड किया था। वह इस बर्फीले संसार की हकीकत नियमित ब्लॉग लिखकर शेष दुनिया को बताती रही। फौलादी इरादों वाली हरप्रीत मानती है कि यदि हम इरादा कर लें तो सब कुछ करने में सक्षम हैं। साथ ही अन्य बातें महत्व नहीं रखती हैं कि आप कहां से हैं और कहां से शुरुआत कर रहे हैं। हम में से हर एक कहीं न कहीं तो शुरुआत करता ही है।

दरअसल, पोलर प्रीत के नाम से पहचानी जाने वाली हरप्रीत ने अपने साहसिक अभियान की शुरुआत नवंबर, 2021 में की थी। वह सात नवंबर को चिली रवाना हुई, जिसकी शुरुआत उन्होंने दक्षिणी ध्रुव के प्रवेश द्वार हरक्यूलिस इनलेट से अकेली की। यह यात्रा आसान नहीं थी। उसे अपने सामान के लिये नब्बे किलो वजनी स्लेज गाड़ी खींचनी थी, जिसमें करीब डेढ़ माह का भोजन, ईंधन व जरूरी उपकरण भी शामिल थे। इस दुर्गम इलाके में शेष दुनिया से संपर्क के बिना रहना निस्संदेह, बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन उसने ढाई वर्ष की तैयारी में जो जी-जान से मेहनत की, उसने यात्रा का निष्कंट मार्ग प्रशस्त किया। उसने अभियान के लिये फंड जुटाया। इस अभियान के लिये फ्रांस के आल्प्स पर्वत श्रृंखलाओं की बर्फीली दरारों में दक्षिणी ध्रुव की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिये कठोर प्रशिक्षण लिया। साथ ही आइसलैंड के ग्लेशियर पर ट्रैकिंग भी की। कठिन साधना के लिये ग्रीनलैंड के बर्फीले इलाके में करीब एक माह का समय लगाया। साथ ही बर्फ पर भारी-भरकम स्लेज गाड़ी को खींचने का अभ्यास अपनी पीठ पर टायर बांधकर किया। कहते हैं आग में तपकर ही सोना निखरता है, हरप्रीत ने भी कठोर अभ्यास से खुद को दक्षिणी ध्रुव की कठिन परिस्थितियों के अनुकूल ढाला। दक्षिणी ध्रुव से लौटने के बाद हरप्रीत चंडी अपने मंगेतर डेविड जारमैन के साथ नई जिंदगी शुरू करने वाली हैं।

सामयिक

आस्था, भगदड़ और भीड़ का अर्थशास्त्र

जय सिंह रावत

देश में आस्था के नाम पर ज्यादा से ज्यादा मानव समूह को आकर्षित करने की होड़ सी लग जाती है। इस भीड़ के साथ अर्थशास्त्र भी जुड़ा होता है। भीड़ के पैमाने के साथ अपने आराध्य या धर्मस्थल की प्रतिष्ठा को भी प्रतिस्पर्धा में ला कर खड़ा कर दिया जाता है। सामान्यतः आयोजकों का उद्देश्य भीड़ जुटाने तक सीमित होता है, और वे भीड़ की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं भीड़ पर या सरकार पर छोड़ देते हैं। उदाहरण हमारे सामने है नव वर्ष 2022 के आगमन की बेला पर वैष्णो देवी की भगदड़।

धार्मिक भीड़ में आस्था तो होती है, लेकिन भीड़ चाहे कोई भी हो, उसका कोई चरित्र नहीं होता। इसलिए भीड़ को उसकी मर्जी पर छोड़ने के बजाय उसे नियंत्रित करना होता है। भीड़ के प्रबंधन की व्यवस्था न हो तो वह प्रतिबंधित क्षेत्र में भी घुस सकती है। भीड़ में धक्का-मुक्की और मामूली कहासुनी भी खतरनाक होती है, जैसा वैष्णो देवी में हुआ। कई बार आपदा के चलते डर की स्थिति बन जाती है और अफवाह की वजह से लोग डर के मारे भागने लगते हैं। लेकिन इन सभी खतरों से बेखबर आयोजक भीड़ का आनंद लेते रहते हैं। जिस आयोजन में जितनी अधिक भीड़ जुटती है, उसका महत्व उतना ही बढ़ जाता है। इसलिए भीड़ का आकार धर्मस्थल के प्रचार के काम भी आता है। गत वर्ष उत्तराखंड सरकार ने हरिद्वार महाकुंभ में 32 लाख श्रद्धालुओं के आने का दावा किया। कोरोना महामारी के साये के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में भीड़ जुटाने को सरकार ने अपनी उपलब्धि बताया। 2010 के हरिद्वार कुंभ के दौरान 3 महीनों में 9 करोड़ लोगों के जुटने का दावा किया गया था। उत्तराखंड सरकार इतना बड़ा दावा करती है, तो फिर प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में महाकुंभों के आयोजकों के सामने भी इतनी ही भीड़ जुटाने की चुनौती खड़ी हो जाती है। कभी-कभी इसे प्रतिष्ठा का विषय मान कर भीड़ के आंकड़े बढ़ा-चढ़ा कर भी पेश किए जाते हैं। महाकुंभ तो महाकुंभ ही है, जो देश ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा धातमक महाजमावड़ा होता है। लेकिन भीड़ जुटाने में क्षेत्रीय देवी-देवताओं के धर्मस्थलों में भी प्रतिपस्पर्धा शुरू हो जाती है। जिस देवी या देवता के मंदिर में जितनी अधिक भीड़ जुटेगी उसकी उतनी ही अधिक मान्यता मानी जाएगी। जाहिर है कि जितनी अधिक भीड़ जुटेगी उतना ही चढ़ावा भी आएगा। लेकिन इन मठ-मंदिरों या धातमक मेलों के आयोजक भीड़ की सुरक्षा व्यवस्था को भी भगवान या देवी-देवताओं के भरोसे छोड़ देते हैं। महाकुंभों में तो भगदड़ का लंबा इतिहास है। हरिद्वार में 1819 के कुंभ में भगदड़ में 430 लोग मारे गए थे। 1954 के इलाहाबाद महाकुंभ के दौरान भगदड़ में लगभग 1000 लोग मारे गए। नासिक के कुंभ में 2003 में भगदड़ में 40 लोग मारे गए थे। हरिद्वार में 1986 के कुंभ में भगदड़ में 50 से अधिक लोग मारे गए। कुंभ ही नहीं देश में अन्य धातमक आयोजनों के समय भगदड़ की घटनाएं अक्सर होती रही हैं। नवरात्रि पर 30 सितम्बर, 2008 में जोधपुर राजस्थान के चौमुंडा देवी मंदिर में भगदड़ में 147 के मारे गए थे। इस सदी की सबसे भयावह भगदड़ 2005 में सतारा महाराष्ट्र की मनार देवी मेले में हुई थी जिसमें लगभग 300 लोग कुचल कर मारे गए थे। 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल के नैनादेवी मंदिर में भगदड़ में 162 लोग कुचलकर मारे गए थे। यहीं पर 1978 में भगदड़ में 65 श्रद्धालु मारे गए थे।

भगदड़ की घटनाओं पर गौर करें तो ज्यादातर त्रासदियों के लिए अफवाह जिम्मेदार रहीं। नैनादेवी में वर्षा से बचने का आश्रय ढहा था और अफवाह भूस्खलन की फैल गई। मीडिया जिस तरह खबरों को सनसनीखेज तरीके से पेश करता है, उससे अफवाहों का बाजार गरमाना लाजिम है। खासकर जब मानव मुंडों का महासमुद्र एकत्र हो तो कहीं भी और किसी भी कोने से अफवाह आसानी से उड़ाई जा सकती है। तब आतंकवादियों को भी हथियार लेकर आने की जरूरत नहीं है। छोटी सी वारदात कर तालाब में कंकड़ फेंकने की तरह हलचल पैदा की जा सकती है। ऐसी स्थिति में भीड़ प्रबंधन की जरूरत होती है। महाकुंभ जैसे आयोजनों में भीड़ का एक स्थान पर दबाव बढ़ने नहीं दिया जाता। भीड़ को डायवर्ट भी किया जाता है। लेकिन भीड़ नियंत्रित करने वाले तंत्र में संयम जरूरी है। अगर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बल का प्रयोग कर दिया तो भगदड़ की स्थिति पैदा हो जाती है। हरिद्वार में 1986 में सोमवती अमावस्या पर मनसा देवी भगदड़ में भी भीड़ का दबाव रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो भगदड़ मच गई। 21 लोग मारे गए।

समय के साथ ही परिस्थितियों के बदलने से इतनी अधिक भीड़ों को नियंत्रित करना और जन सुरक्षा सुनिश्चित करना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इसलिए भीड़ के आर्थिक पक्ष के बजाय प्रबंधन और सुरक्षा के पक्ष पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है। श्रद्धालुओं से आर्थिक लाभ उठाने वालों को सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। प्रबंधन समितियां जिम्मेदारी का निर्वहन करने में सक्षम न हों तो सरकार को मूक दर्शक नहीं रहना चाहिए। जैसा कि वैष्णो देवी हादसे के बाद राज्य सरकार मौन बैठ गई है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

कृषि विज्ञान हमारी कृषि प्रणाली व अर्थव्यवस्था की रीढ़: कुलाधिपति

बांदा कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने वुर्चअल किया संबोधित

दीक्षांत समारोह में 182 छात्राओं को दी गई उपाधियां

बांदा। शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय बांदा का सप्तम दीक्षांत समारोह दिनांक 08.01.2022 को अयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीया राज्यपाल उ0प्र0 महोदयाश्रीमती आनंदीबेन पटेल, ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 आर0सी0अग्रवाल (उपमहानिदेशक, कृषि शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली)रहे।

बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा के सप्तम् दीक्षान्त समारोह में माननीया राज्यपाल महोदया ने वर्चुअल सम्मिलित होकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए ऋषि बामदेव जी को, जिनकी तपोस्थली बाँदा है, अपना श्रद्धासुमन अर्पित किया । साथ ही उन्होने कहा कि बुंदेलखण्ड असीम ऊर्जा से युक्त क्षेत्र है। इस क्षेत्र ने एक से बढकर एक महान सपुतों एवं महापुरुषों को जन्म दिया है। यह क्षेत्र ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से काफी सुदृढ है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कृषि उत्पादकता व कृषकों की औसत आय वृद्धि, सिंचाई तकनीकियों के विकास व पशुधन विकास की अपार सम्भावनाओं के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा इस कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी थी, ताकि बुन्देलखण्ड क्षेत्र की कृषि में बहुआयामी विकास हो सके।

माननीया महोदया ने आज उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे जीवन की नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो तथा साथ ही यह भी विचार करे कि

अर्जित शिक्षा का समाजोपयोगी उद्देश्य क्या हो सकता है। उन्होने कहा कि मुझे आप सभी मेधावी विद्यार्थियों से आशा है कि आप इस विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान एवं कौशल से देश के सीमान्त एवं मध्यमवर्गीय कृषकों को खेती के उन्नत विधियों द्वारा जीवन स्तर को सुधारने हेतु मार्गदर्शन करेंगें।

कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कृषि विज्ञान हमारी कृषि प्रणाली व अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। भारतीय अर्थव्यवस्था मे कृषि के योगदान को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जाये इस विषय पर आप सब नौजवानो को सोचना होगा। पिछले कुछ वर्षो मे भारत मे ऐसे एग्रीटेक स्टार्टअप की संख्या मे वृद्धि देखी गयी है। जो न केवल तकनिकी को और सुदृढ़ बना रहे है बल्की किसान को अपने जीवन को बेहतर बनाने मे मदद कर रहे है। माननीय कुलाधिपति महोदया ने कहा कि मै आपसे एक बात साझा करना चहुँगी कि खेत मे जो किसान काम करते है वही वैज्ञानिक है उनके अनुभव आधारित ज्ञान का लाभ कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियो को उनके पास जाकर लेना चाहिये। उन्होने कहा कि यह देखा है कि बहुत से किसानो ने अपने अनुभव और परंपरा के ज्ञान से ऐसे ऐसे उन्नत बीज तैयार किये है जिनसे बेहतरीन फसले मिल सकती है। राज्यपाल महोदया ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही स्वरोजगार के गुण सिखाये जाने की व्यवस्था स्टार्टअप निती से की गयी है विश्वविद्यालय मे नवाचार और उद्यमीता विकास के पाठयक्रम शामिल किये जाने की आवश्यकता है।

खबर एक नजर

अधेड की गला घोट कर हत्या करने का आरोप

पुलिस ने एक को लिया हिरासत में पूछताछ जारी

औरैया। गांव बहादुरपुर-इंगुठिया निवासी श्रीगोपाल (44) पुत्र शिव शंकर निषाद को परिजनों ने संदिग्ध परिस्थितियों में धमसैनी गांव के पास शुक्रवार की देर रात पड़ा पाया। जिस पर परिजनों ने युवक को गंभीर हालत में उठाकर रात में ही 50 शैय्या युक्त जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। जिस पर परिजन युवक के शव को वापस गांव ले गए। जहां परिजनों ने पुलिस को फोन से युवक की गला घोंटकर हत्या किए जाने की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में ले लिया। इस दौरान मृतक के भाई दरोगा ने पुलिस को बताया कि उसका भाई शुक्रवार को पड़ोस में रहने वाले चचेरे भाई के साथ बाइक से गया हुआ था। जहां उसने मेरे भाई की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मौके से आरोपी युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। जहां उससे पूछतांछ की जा रही है। जांच अधिकारी एसआई संदीप जादौन ने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से पड़ोस में रहने वाले चचेरे भाई पर जहरीला पदार्थ खिलाकर तो कभी गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। अभी किसी के खिलाफ पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार अवस्थी ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत होने की हकीकत पता चल सकेगी।

मतदान केंद्र में अधिकतम 1250 मतदाता ही डाल सकेंगे वोट

कानपुर देहात। निर्वाचन आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। जिले में तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान कराया जाएगा, जबकि 25 जनवरी से नामांकन शुरू होगा। आदर्श आचार संहिता के तहत नियमों के अनुपालन के लिए सभी अधिकारियों को डीएम जेपी सिंह ने निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही 24 घंटे में होर्डिंग, बैनर सहित सभी प्रचार सामग्री हटानी होगी।

कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित बैठक में डीएम जेपी सिंह ने आदर्श आचार संहिता को लेकर निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि सात चरणों में चुनाव होगा, जिसमें कानपुर देहात में तीसरे चरण में 1136 मतदान केंद्रों में 1651 मतदेय स्थलों पर मतदान कराया जाएगा। प्रत्येक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1250 मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार कोविड 19 गाइडलाइन का पालन किया जाएगा। जिले में 16 स्थलों पर जांच संबंधी बैरियर लगाए जाएंगे। जनपद में 184 संवेदनशील मतदान केंद्र बनाए गए हैं। लगाए गए 65 पोलिग पार्टियों के सदस्यों के माध्यम से मतदान कराया जाएगा। इस मामले में 18 जोनल मजिस्ट्रेट, 132 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पूर्व के विधानसभा चुनाव में 62.18 प्रतिशत मतदान हुआ था। बैठक में एडीएम प्रशासन गरिमा सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व जेपी गुप्ता मौजूद रहे।

बारिश और बढ़ रही शीतलहर के चलते थाना दिवस में फरियादियों की संख्या नाम मात्र

संवाददाता

मौदहा;हमीरपुर। लगातार हो रही बारिश और बढ़ रही शीत लहरी के चलते शनिवार को संपन्न हुए थाना दिवस में फरियादियों की संख्या नाम मात्र की ही रही। आज शनिवार को संपन्न हुए थाना दिवस की अध्यक्षता तहसीलदार सुक्रमा प्रसाद विश्वकर्मा ने कीए जिसमें सिर्फएक ही फरियादी ने अपनी शिकायत दर्ज कराई और वह भी शिकायत निस्तारित नहीं की जा सकी। मौदहा कोतवाली में आयोजित थाना दिवस तहसीलदार की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें कोतवाली प्रभारी पवन कुमार पटेलए अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सुशील दोहरे सहित तहसील के सभी लेखपाल एवं कानून गो भी मौजूद रहे। आयोजित थाना दिवस में कस्बे के बड़े चौराहे निवासी मीरा ने पैसों के लेनदेन संबंधी शिकायत कीए जिसको भी पुलिस निस्तारित नहीं कर सकी।

आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए नगरपालिका कर्मचारी बैनरए होर्डिंग हटाने में जुटे

संवाददाता

मौदहा;हमीरपुर। विधानसभा चुनावों की अधिसूचना जारी होने के साथ लागू हुई आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए नगरपालिका कर्मचारी पूरे कस्बे में जेसीबी लेकर बैनरए होर्डिंग हटाने में जुट गए हैं। पोस्टरएबैनरए होर्डिंग हटाने के क्रम में पुलिस भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाने में जुट गई है। जिस पर कस्बे के विभिन्न मार्गोए चौराहोंए गलियों में घूमते हुए नगरपालिका कर्मचारीए पुलिस प्रशासन ने थाना चौराहा से अभियान शुरू कर दिया है।अवगत हो कि चुनाव

आयोग द्वारा जारी विधानसभा चुनावों की अधिसूचना के बाद आचार संहिता लागू हो जाती हैए जिसके बाद कहीं पर कोई भी राजनैतिक पार्टी के जिम्मेदारों की कोई भी पोस्टरएबैनरए होर्डिंग नहीं लगाई जा सकती। इसी क्रम में आज आचार संहिता लागू होने के तुरंत बाद से ही पुलिस प्रशासन के साथ नगरपालिका कर्मचारियों ने कस्बे में लगे बड़े बड़े होर्डिंग्स हटाना शुरू कर दिया है।

विधायक विनोद कटियार ने साप्ताहिक सब्जी बाजार व खाद भंडार का किया उद्घाटन

संवाददाता

बरौर। विकासखंड मलासा के बेंडा मऊ गांव में शनिवार को साप्ताहिक सब्जी बाजार व खाद भंडार का उद्घाटन भोगनीपुर विधानसभा के विधायक विनोद कटियार के द्वारा फीता काटकर किया गया इस दौरान उन्होंने सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया कार्यक्रम का संचालन रामचंद्र द्वारा किया गया। शनिवार को विकासखंड मलासा के बरौर कस्बे से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित बेडा मऊ गांव में साप्ताहिक सब्जी बाजार व खाद भंडार का उद्घाटन भोगनीपुर क्षेत्र के विधायक विनोद

कटियार के द्वारा फीता काटकर किया गया बताते चलें कि बेड़ा मऊ गांव के रमेश नायक के द्वारा अपने क्षेत्र के लोगों तथा ग्राम वासियों की सुविधाओं को देखते हुए अपनी ही जमीन पर सब्जी बाजार लगवाने का निर्णय किया गया जिसका उद्घाटन शनिवार को श्री कटियार ने फीता काटकर किया तत्पश्चात उन्होंने वहां मौजूद क्षेत्रवासियों को सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया मंच का संचालन रामचंद्र ने किया बाजार संचालक रमेश नायक ने भी वहां मौजूद ग्रामीणों को संबोधित किया अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गांव में साप्ताहिक बाजार लगने से लोगों को गांव में ही रोजगार मिलेगा तथा लोगों को दूर जाने से निजात मिलेगी इस मौके पर किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह जिला महामंत्री शैलेंद्र त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सचान अनिल नायक सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करने वाले को पुलिस ने लिया हिरासत में

संवाददाता

मौदहा;हमीरपुर। कस्बे में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री रोकने के मकसद से कोतवाली पुलिस ने बड़ा चौराहा में एक चाय की दुकान से 1 किलो 225 ग्राम गांजा और 29000 रूपए की नकदी बरामद की है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सलीम शहजादा पुत्र सिद्दीक जो बड़े चौराहे में चाय की गुमटी लगाता था और पुलिस की नजर बचाकर अवैध गांजा की भी बिक्री करता था। जिसको पुलिस ने आज दोपहर बाद उसके दुकान से ही गांजा और नकद रुपयों के साथ हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दलों को वितरित की गई खेलकूद प्रोत्साहन सामग्री

संवाददाता

हमीरपुर। शनिवार को प्रदेश स्तर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा युवक मंगल दल एवं महिला मंगल दलों को खेलकूद सामग्री वितरित की गयी। जिसका जनपद के एनआईसी में सजीव प्रसारण देखा गया।इसी क्रम में लखनऊ में संपन्न हुए कार्यक्रम के पश्चात जनपद के एन आई सी में जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण द्वारा जनपद के 05 युवक मंगल दल एवं 05 महिला मंगल दलों को खेलकूद प्रोत्साहन सामग्री अपने कर कमलों से वितरित की । उन्होंने कहा कि इससे खेलकूद को

प्रोत्साहन मिलेगा तथा युवाओ की बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी कमलेश कुमार वैश्यए जिला विकास अधिकारी विकास सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

आचार संहिता की घोषणा होते ही प्रशासन ने हटाये बैनर व होर्डिंग

बबेरु/बाँदा। उत्तर प्रदेश के विधानसभा निर्वाचन को लेकर जहां शनिवार को बैठक के बाद निर्वाचन आयोग ने चुनाव तिथि की घोषणा किया। तो बांदा जनपद के बबेरू कस्बे में जिला निर्वाचन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट अनुराग पटेल के निर्देश पर पूरा प्रशासन हरकत में आ गया। जिसमें बबेरू उपजिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह तहसीलदार अजय कुमार कटिहार वह नायब तहसीलदार अभिनव तिवारी नगर पंचायत के अधिकारियों के द्वारा नगर पंचायत के कर्मचारी जेसीबी मशीन एवं

क्रेन मशीन से शहर एवं कस्बा में राजनीतिक दलों की लगी होर्डिंग को हटवा डाला। वही होर्डिंगों को नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के भवनों में रखाई गयी। आचार संहिता लगते ही राजनीतिक दलों के नेताओ ने स्वयं अपनी होर्डिंग उत रवाने में जुटे रहे। वही बबेरु कस्बे के प्रशासन जेसीबी से होर्डिंग हटवाने में जुटा रहा।

कड़ाके की सर्दी में बच्चों को निमोनिया से बचाने के लिए रखें खास ख्याल

अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन पहुँच रहे 10 से 15 मरीज

छह माह से दो साल तक के बच्चे हो रहे सर्वाधिक प्रभावित

चिकित्सकों की सलाह: बच्चों को सर्दी से बचाएंए लक्षण हों तो तुरंत अस्पताल में दिखाएं

संवाददाता

हमीरपुर। कड़ाके की पड़ रही सर्दी के चलते छोटे बच्चे निमोनिया की चपेट में आने लगे हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन छह माह से लेकर दो साल तक के 10 से 15 बच्चों में निमोनिया की शिकायत मिल रही है । इसके अलावा मौसम का बदला रुख हर उम्र के लोगों को ठंड से होने वाली बीमारियों की चपेट में ले रहा है। इस मौसम में जन्म से कमजोर और समय पूर्व जन्में बच्चों की खास देखभाल की आवश्यकता है। उधरए स्वास्थ्य विभाग निमोनिया से बचाव को लेकर प्रत्येक ब्लाक में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने की तैयारी में जुटा है।

पिछले दो दिनों से मौसम बदला हुआ है। लगातार आसमान पर बादल हैं और रिमझिम बारिश हो रही है। इससे तापमान नीचे चला गया है। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तापमान में गिरावट होने से दिन.रात दोनों वक्त बराबर सर्दी पड़ रही है और सर्द हवाओं से स्थिति और भी ज्यादा बिगड़ी है। ऐसे मौसम में मासूम बच्चे निमोनिया की चपेट में आने लगे हैं। प्रतिदिन निमोनिया से ग्रसित होने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है।

जिला महिला अस्पताल के नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉण्आशुतोष निरंजन ने बताया कि अस्पताल की ओपीडी में रोज 10 से 15 बच्चे निमोनिया से ग्रसित होने के बाद आ रहे हैं। इनमें छह माह से दो साल तक के बच्चों की संख्या ज्यादा है। अभिभावकों को इस मौसम से बच्चों को बचाकर रखना है। उन्हें सर्दी से बचाने को

जिला अस्पताल में बच्चे का चेकअप करते डॉण्आशुतोष।

लेकर कम से कम तीन से चार कपड़े पहनाएं।

डॉण्आशुतोष ने बताया कि निमोनिया फेफड़ों में होने वाला संक्रमण है जो बैक्टीरियाए वायरस एवं फंगस आदि के कारण होता है। इससे फेफड़ों की वायु कोष्ठिका में सूजन हो जाती है या उसमें तरल पदार्थ भर जाता है। कई बार निमोनिया गंभीर रूप धारण कर लेता है। निमोनिया के लक्षण सर्दीए जुकाम के लक्षणों से बहुत हद तक मिलते हैं। इसलिए जब भी ऐसा लगे तो पहले इसके लक्षणों को पहचान लेना बहुत जरूरी है। यह एक गंभीर बीमारी हैए जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। हालांकि यह सबसे ज्यादा पांच साल तक के बच्चों को प्रभावित करती है। नवजात और छोटे बच्चे अपने परेशानी के बारे में खुलकर नहीं बता सकतेए इसलिए छोटे बच्चों में निमोनिया के लक्षणों को पहचानना बहुत ही जरूरी है। लगभग 16 प्रतिशत बच्चे को न्यूमोकॉकल जीवाणु प्रभावित करता हैए जिससे बचाव के लिए जनपद में सभी स्वास्थ्य केंद्रों और टीकाकरण सत्रों के माध्यम से पीसीवी टीका दिया जाता है।

निमोनिया के लक्षण

सामान्य से अधिक तेज सांस या सांस लेने में परेशानी, सांस लेते या खांसते समय छाती में दर्दए खांसी के साथ पीलेए हरे या जंग के रंग का बलगमए बुखारए कंपकंपी या ठंड लगनाए पसीना आनाए होंठ या नाखून नीले होनाए उल्टी होनाए पेट या सीने के निचले हिस्से में दर्द होनाए कंपकंपीए शरीर में दर्दए मांसपेशियों में दर्द भी निमोनिया के लक्षण हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे.5 2020.21 ;एनएफएसएच के मुताबिक जनपद में 12 से 23 महीने के 77ण्1 प्रतिशत बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाव के टीके लगाए जा रहे हैं। जबकि 2016.17 में हुए सर्वे में यह आंकड़ा 52.5 प्रतिशत था।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, परिजन बेहाल

संवाददाता

औरैया। कोतवाली क्षेत्र के हाईवे रोड खानपुर चौराहा से दयालपुर के बीच शुक्रवार की देर शाम ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में उसे कंट्रोल रूम की 112 नंबर गाड़ी के माध्यम से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जरुहौलिया निवासी दुर्गेश कुमार दोहरे 42 वर्ष पुत्र चंद्र प्रकाश दोहरे जो कि वर्तमान में मोहल्ला पढीन दरवाजा औरैया में रहता है। शुक्रवार को वह अपने पैतृक गांव जरुहौलिया से बाइक द्वारा वापस औरैया लौट रहा था। जैसे ही वह हाईवे रोड स्थित दयालपुर व खानपुर चौराहा के मध्य पहुंचा। उसी समय तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे वह रोड पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में उसे कंट्रोल रूम पुलिस की 112 नंबर गाड़ी से 50 शैय्या युक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन गृह चिचौली भेज दिया। दुर्घटना की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंच चुके थे। युवक की मौत से परिजनों में करुण-क्रंदन गूंज रहा था। बताया जाता है, कि उपरोक्त युवक स्थानीय जेसीज चौराहा पर अंडा की ठेली लगाता था। उसके तीन बच्चों में पुत्री सबसे बड़ी है, जबकि 2 पुत्र छोटे हैं।

जिलाधिकारी ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा

जल जीवन मिशन के कार्यों में युद्ध स्तर पर कार्य करने के दिए निर्देश

संवाददाता

हमीरपुर। जल जीवन मिशन . हर घर नल से जल योजना के कार्यों में प्रभावी गति लाए जाने के उद्देश्य से शनिवार को जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में

संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम समूह पाइप पेयजल योजनाओ के सभी कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को युद्ध स्तर पर पूर्ण करने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि सभी ग्राम समूह पेयजल योजनाओं के अंतर्गत संपादित होने वाले कार्यों हेतु जरूरी मैनपावर बढ़ा कर सभी कंपोनेंट पर एक साथ कार्य किया जाए । सभी संबंधित ग्राम पंचायतों में घर.घर पेयजल योजना के कनेक्शन उपलब्ध करा दिए जाएं। कहा कि अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों ध्अधिक से अधिक घरों में पेयजल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए जाएं तथा पेयजल की सप्लाई उपलब्ध कराई जाए ताकि पेयजल की समस्या ना हो। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप डालने संबंधित कार्यों में खुदाई करने के पश्चात तत्काल पाइप डालकर उसको मिट्टी से ढक दिया जाए कहीं पर भी खुले गड्ढे ना छोड़े जाएं। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी कमलेश कुमार वैश्यएअपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार यादव सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीएकार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

जाह्नवी कपूर

और खुशी के साथ अपने रिश्ते पर बोले अर्जुन कपूर, नहीं कर सकता दिखावा

श्रीदेवी के निधन के बाद से अर्जुन कपूर (Arju Kapoor) अपनी दोनों सौतेली बहनों खुशी कपूर (Khushi Kapoor) और जाह्नवी कपूर संग टाइम बिताते कई बार देखे गए. यहां तक कि श्रीदेवी के निधन के बाद अर्जुन ही जाह्नवी और खुशी को कई बार संभालते भी नजर आए. लेकिन हाल ही में अर्जुन कपूर ने कहा कि वो दिखावा नहीं कर सकते.

नहीं देता निजी जिंदगी में दखल अर्जुन कपूर ने हाल ही में Masala magazine से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं. जाह्नवी और खुशी के साथ कैसी एक्रेशन है इस पर बात करते हुए अर्जुन कपूर ने कहा– वो एक दूसरे के निजी मैटर में दखल देने से बचते हैं. अच्छी बात ये है कि वो मेरा सम्मान करती हैं और मैं उनका. मैं कई बार उनका मजाक भी उड़ता हूं. ट्रोल भी करता हूं क्योंकि मेरा सेंस ऑफ ह्यूमर मजाक उड़ाने टाइप का है. कई बार ज्यादा जोक भी मार देता हूं.

देता कई बार सलाह

अर्जुन कपूर ने कहा– हम लोग साथ नहीं रहते तो रोजमर्रा की बातें डिसकस भी नहीं होती. मुझे इस झूठ से भी नफरत है कि हम एक छत के नीचे रहने वाली खुशहाल फैमिली है और एक दूसरे से हर चीज डिसकस करते हैं. बहुत चीजों पर आपस में बात करते हैं और करते रहेंगे. मैं दखल नहीं देता. अगर जाह्नवी (Janhvi Kapoor) या खुशी में से कोई भी मेरा पास कोई बात लेकर आता है तो अपने एक्सपीरियंस से उन्हें सलाह जरूर देता हूं.

श्रीदेवी के निधन के बाद बदली चीजें

अर्जुन कपूर ने श्रीदेवी के निधन के बाद चीजों को बहुत अच्छी तरह से संभाला. ना केवल उन्होंने खुशी और जाह्नवी का साथ दिया बल्कि पिता बोनी कपूर का भी उस वक्त काफी ध्यान रखा था. श्रीदेवी के निधन से बाद जाह्नवी और खुशी से अर्जुन के रिश्ते और भी अच्छे हुए. यहां तक कि कई बार अर्जुन अपनी बहन अंशुला और जाह्नवी–खुशी संग मस्ती करते हुए भी नजर आते हैं.

तीन बच्चे पैदा करने के बाद भी इस एक्ट्रेस का नहीं बिगड़ा फिगर, बिकिनी फोटो हुई वायरल

र बच्चे पैदा करने के बाद महिलाओं शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं र इन बदलावों की वजह से ही ुलाओं का अपने पुराने रूप में लौट ा थोड़ा मुश्किल सा होता है. लेकिन ॅ बॉलीवुड हसीना ने सारी पुरानी णाओं को तोड़ते हुए ऐसी कमाल की ट बॉडी कर ली है कि सब दंग हो रहे उनकी वायरल फोटो देख आप कि प भी हैरान ही रह जाएंगे.

ा का हॉट फिगर

वुड की हॉट अदाकारा रहीं लीजा न (Lisa Haydon) हाल ही में तीसरे चे की मां बनी हैं. एक्ट्रेस की शादी अभी चार ही साल हुए हैं और चार ल में एक्ट्रेस ने तीन बच्चों को जन्म ा है. लेकिन लगातार बच्चों को जन्म के बावजूद एक्ट्रेस का फिगर अब लाजवाब है. लीजा की एक फोटो शल मीडिया पर छाई हुई है, जिसमें बिकिनी में नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने नी बेटी को गोद में उठा रखा है. ये टो जिसने भी देखी वो एक्ट्रेस के हॉट फिगर का दीवाना हो गया. यही नहीं तीन बार प्रेग्नेंसी होने के बावजूद उनके पेट पर स्ट्रेच मार्क नजर नहीं आ रहे हैं.

2016 में की थी शादी

लीजा हेडन (Lisa Haydon) ने साल 2016 में बिजनसमैन डिनो लालवानी से शादी की थी. शादी के कुछ महीनों बाद यानी 2017 में इनका बेटा जैक पैदा हुआ था. जैक के बाद लीजा ने अपने दूसरे बेटे लियो को जन्म दिया था. साल 2021 की फरवरी में ही लीजा ने अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी जिसके बाद उन्होंने जून के महीने में अपनी बेटी लारा को जन्म दिया था. लीजा के पैदा होने के बाद एक्ट्रेस ने अपनी बेटी को दूध पिलाते हुए फोटो भी शेयर की थी.

लीजा की फिल्में

गौरतलब है कि लीजा हेडन (Lisa Haydon Movies) ने फिल्म आइशा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. इसके अलावा वो हाउसफुल 3, द शौकीन्स, रास्कल्स, क्रीन, ऐ दिल है मुश्किल जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं.

रामानंद सागर की परपोती ने पहन लिए ऐसे रिवीलिंग कपड़े, फोटो देख कर लेंगे आंखें बंद!

रामानंद सागर को आप जानते ही होंगे. ये वही रामानंद सागर (Ramanand Sagar) हैं जिन्होंने परदे पर रामायण लाकर एक नए युग की शुरुआत की थी. आज भी लोग उसी रामायण (Ramayana) को देखना पसंद करते हैं. साल 2005 में उनकी मौत हो गई थी लेकिन लोगों के दिलों में वो आज भी जिंदा हैं. रामानंद सागर की पुश्ते भी खबरों में रही हैं और उनकी परपोती तो इन दिनों कुछ ज्यादा ही सुर्खियों में रहती हैं.

साक्षी की पहचान

रामानंद सागर की परपोती साक्षी चोपड़ा (Sakshi Chopra) आए दिन खबरों में बनी रहती हैं और इसकी वजह उनका ग्लैमरस अवता है. साक्षी चोपड़ा जब भी मीडिया के कैमरों में कैद होती हैं तो लोग हैरान ही रह जाते हैं. मुंबई की सड़कों पर तो वो ऐसे कपड़े पहनकर घूमती हैं कि आम जिंदगी में भी ऐसे आउटफिट पहनने से लोग कतराएं. ऐसा ही एक आउटफिट पहने साक्षी (Sakshi Chopra) फिर नजर आईं और इस बार तो उन्होंने हॉटनेस की सारी हदों को ही पार कर दिया.

हॉट कपड़ों में नजर आईं साक्षी

साक्षी (Sakshi Chopra) के परदादा ने बेहद पवित्र टीवी शो लाकर लोगों के दिलों में जगह बनाई लेकिन साक्षी अपनी बोल्ड अदाओं से सुर्खियों में छा रही हैं. उन्होंने बिकिनी और टॉपलेस मॉडल के रूप में अपनी खुद की जगह बनाई है. साक्षी हाल ही में बेबीडॉल ड्रेस में नजर आईं, इस ड्रेस में उनके निप्पल साफ तौर पर उजागर हो रहे थे. उनके इस आउटफिट को जिसने भी देखा वो हैरान ही रह गया.

साक्षी के बारे में

आपको बता दें कि साक्षी चोपड़ा (Sakshi Chopra) , मोती सागर की पोती और फिल्म प्रोड्यूसर मीनाक्षी सागर की बेटी हैं. साक्षी चोपड़ा एक टैलेंट कंपनी चलाती हैं. फिलहाल, वो लॉस एंजेलिस, कैलिफोर्निया में रहती हैं. अमेरिका में उन्होंने फिल्म और एक्टिंग का भी कोर्स किया है. यही नहीं अगर उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल को देखें तो वह खुद को सिंगर और सॉन्ग राइटर बताती हैं. साक्षी के एजुकेशन की बात करेंत तो उन्होंने लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज से पढ़ाई की हैं और उनके पास वेस्टर्न वोकल्स की डिग्री है. उनका पहला म्यूजिक वीडियो नीना सिमोन की क्लासिक हिट %फीलिंग गुड% का कवर था, जो उनके फैंस के बीच खूब हिट रहा था.

आर्यन खान को बताया गया था छोटे भाई का पिता, शाहरुख खान ने सामने आकर बताई सच्चाई

इन दिनों शाहरुख (Shahrukh Khan) के बेटे आर्यन खान (Aryan Khan) के नाम पर एक वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में यह दावा किया जा रहा है कि आर्यन एयरपोर्ट पर पेशाब कर रहे हैं. यह वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगा. लेकिन जल्द ही इस वायरल वीडियो की सच्चाई भी सामने आ गई. हालांकि यह पहली बार नहीं है जब आर्यन के नाम पर अफवाह फैली हो. लेकिन एक बार तो आर्यन को लेकर ऐसी अफवाह फैली कि पूरा परिवार सदमे में आ गया था.

वीडियो हुआ वायरल

पिछले साल शाहरुख खान (Shahrukh Khan) के बड़े बेटे आर्यन खान (Aryan Khan) मुंबई ड्रग्स केस के मामले में जेल गए थे. इस केस की वजह से पूरा खान परिवार काफी मशक्कतों में रहा. इस बीच आर्यन खान के एक वीडियो वायरल होने की खबर आग की तरह फैली. इस वीडियों में एक शख्स एयरपोर्ट पर पेशाब करता नजर आ रहा है और इस शख्स को लेकर दावा किया जा रहा था कि वो आर्यन है, लेकिन जल्द ही इसकी सच्चाई सामने आ गई. लेकिन आर्यन का विवादों से पुराना नाता है एक बार तो लोग उन्हें उनके ही छोटे भाई अबराम का पिता मानने लगे थे.

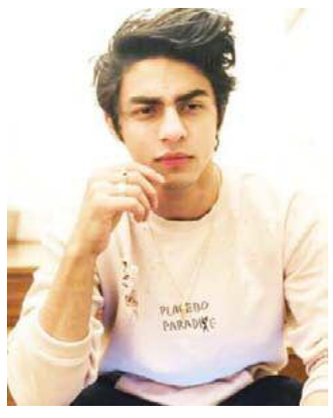

शाहरुख ने दी सफाई

2017 में हुए TedE& Talk में शाहरुख खान (Shahrukh Khan) ने लोगों की इस गलतफहमी पर खुल कर बात की थी. उन्होंने कहा– %चार साल पहले, मेरी पत्नी गौरी और मैंने तीसरा बच्चा करने का फैसला लिया. उस वक्त लोग ये दावा कर रहे थे कि अबराम मेरे बड़े बेटे आर्यन (Aryan Khan) का बच्चा है जो कि उस वक्त महज 15 साल का था. जिस किसी ने भी यह अफवाह फैलाई उसने एक फेक वीडियो जिसमें आर्यन यूरोप में नजर आ रहे हैं, उस वीडियो के सहारे यह दावा किया जा रहा था.

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
बेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुनः रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिल्के के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ्ढ और ढ्ढढ्ढ, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम , भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए , जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद , 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है।पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है , तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक , तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

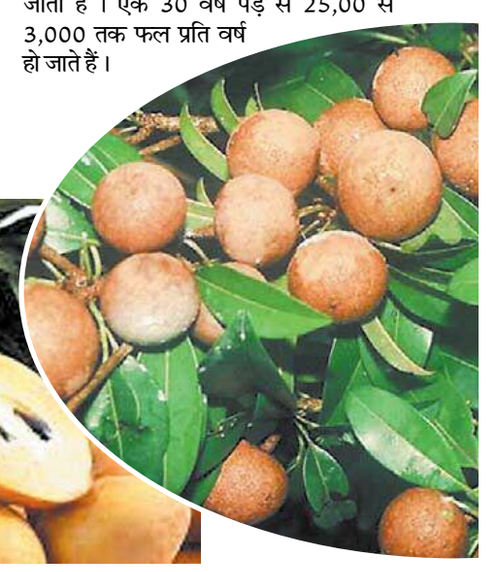

ओलंपियन ललित उपाध्याय ने ठुकराई ओएसडी पद की नौकरी

कहां पैसों के लिए नही करनी नौकरी

संवाददाता, वाराणसी। टोक्यो ओलंपिक्स में 5 अगस्त को हुए ऐतिहासिक मैच भारतीय हॉकी टीम ने जर्मनी को टीम को हराकर, 41 सालों बाद हॉकी में कांस्य पदक जीतकर देश का सम्मान बढ़ाया था, लेकिन यूपी की सरकार ने इन खिलाड़ियों का सम्मान नही किया।

विजेता टीम के सदस्य और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित ललित कुमार उपाध्याय, जो की वाराणसी के शिवपुर स्थित मंगलपुर गांव के निवासी है, उन्हे उत्तर प्रदेश सरकार मृतक आश्रितों को दी जाने वाली ओएसडी पद की नौकरी दे रही है, जिसपर ललित ने आपत्ति जताई। ललित ने मीडिया से हुई बातचीत में ओएसडी पद की जॉब प्रोफाइल बताते हुए कहा की, नौकरी में ना ही उनकी पदोन्नति होती और ना ही पुलिस की वर्दी मिलती, शासन की ओर से भेजे गए पत्र में नौकरी को भी अस्थायी बताया गया है।

अभी बीपीसीएल में मैनेजर के पद पर तैनात ललित बोले की, मैं पैसों के लिए नौकरी नहीं चाहता, बल्कि मेरा उद्देश्य प्रदेश में हॉकी को बढ़ावा देना है, इसलिए उन्होंने इस नौकरी का ऑफर ठुकरा दिया। उन्होंने कहा की अगर नौकरी देनी ही है तो, किसी सम्मानित पद पर अच्छी नौकरी दे। ललित ने बताया की, इस नौकरी का ऑफर सरकार द्वारा खेल और खिलाड़ियों के सम्मान का संदेश है। उन्होंने बताया की टीम का हिस्सा रहे बाकी खिलाड़ियों को उनके प्रदेश की सरकारों ने अच्छी नौकरी और सुविधाएं दी है,

सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही खिलाड़ियों के साथ ऐसा बर्ताव किया जा रहा है। बता दे की, पदक जीत कर लौटने पर खिलाड़ियों का खूब सम्मान किया गया था, पीएम द्वारा दावत भी दी गई थी, एवं उन्होंने ललित से अलग जाकर बात भी की थी।

गावस्कर के बाद गंभीर भी पंत की लगाई क्लास

एजेंसी, नई दिल्ली । सिर्फ दो गेंद खेलने के बाद भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत ने रबाडा की गेंद पर विकेट से आगे निकलकर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की किंतु वह मिस कर गए और ऋषभ पंत आउट हो गए। ऋषभ पंत के आउट होने के बाद सुनील गावस्कर और गौतम गंभीर समेत कई खिलाड़ियों ने ऋषभ पंत की क्लास लगाई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज गौतम गंभीर ने ऋषभ पंत को लेकर कहा कि उनका खेलने का तरीका काफी निराशाजनक है। ऋषभ पंत लेकर गौतम गंभीर ने कहा कि - ऋषभ पंत का विकेट देखने के बाद निराश होना एक मामूली सी बात है आप टेस्ट क्रिकेट को इस तरह से नहीं खेल सकते आप टेस्ट क्रिकेट में रन कैसे बनाते हैं उसके बारे में डीन एल्गर की पारी से आप सीख सकते हो भारत के लिए 58 टेस्ट खेल चुके गौतम गंभीर से ऋषभ पंत की स्लेजिंग के बारे में जब सवाल किया गया तब गौतम गंभीर ने ऋषभ पंत के रवैए पर भी सवाल खड़े किए। क्रीज पर आते ही ऋषभ पंत दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज आर वंडर डुसेडन से भिड़ गए। उसके बाद ऋषभ पंत एक लापरवाही भरा शॉट खेलकर के आउट हो गये । गौतम गंभीर ने कहा कि जब आपको कोई कुछ कहता है तब आपको उसका सामना करके आगे बढ़ना चाहिए तभी आप एक बतौर खिलाड़ी आगे बढ़ते हैं

सुनील गावस्कर ने भी जमकर लताड़ा था

गौतम गंभीर से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी ऋषभ पंत की जमकर क्लास लगाई थी और गावस्कर ने कहा था- इस शॉट को खेलने के बाद आप कोई बहाना नहीं बना सकते हैं इसमें आपका यह नेचुरल खेल है जैसी बकवास बात करना भी स्वीकार नहीं की जाएगी रहाणे और पुजारा के विकेट के बाद आपको थोड़ी जिम्मेदारी दिखानी चाहिए थी ना की लापरवाही

रणजी ट्राफी टूर्नामेंट को लेकर सौरव गांगुली ने राज्य संघों को लिखा एक पत्र

एजेंसी, मुंबई। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने राज्य इकाईयों को आश्वस्त किया कि बोर्ड ''कोविड-19 के बढ़ने से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के नियंत्रण में आने के बाद घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिये सबकुछ करेगा।'' देश भर में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण बीसीसीआई को मंगलवार को रणजी ट्राफी सहित कुछ बड़े टूर्नामेंट को स्थगित करने के लिये बाध्य होना पड़ा। रणजी ट्राफी इस महीने के अंत में शुरू होनी थी। गांगुली ने राज्य संघों को लिखे एक पत्र में कहा, ''आप इस बात से वाकिफ ही हो कि हमें कोविड-19 हालात के खराब होने के कारण मौजूदा घरेलू सत्र को रोकना पड़ा।'' रणजी ट्राफी और सीके नायुडू ट्राफी इस महीने शुरू होनी थी जबकि सीनियर महिला टी20 लीग फरवरी में आयोजित होती। गांगुली ने सभी राज्य इकाईयों के अध्यक्षों और सचिवों को लिखे मेल में कहा, ''कोविड-19 मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कई टीमों में कई पॉजिटिव मामले सामने आये। इससे खिलाड़ियों, अधिकारियों और टूर्नामेंट को चलाने से संबंधित अन्य लोगों के स्वास्थ्य के लिये खतरा पैदा हो गया।'' पीटीआई के पास गांगुली द्वारा लिखा ईमेल है। गांगुली ने कहा कि घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिये बोर्ड सबकुछ करेगा। उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई आश्वस्त करना चाहेगा कि जैसे ही कोविड-19 हालात काबू में आते हैं, बोर्ड घरेलू सत्र को फिर से शुरू करने के लिये सबकुछ करेगा।'' गांगुली ने कहा, ''हम इस सत्र के बचे हुए टूर्नामेंट आयोजित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। बोर्ड संशोधित योजना के साथ जल्द ही आपके पास वापस आयेगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं आपके सहयोग और परिस्थितियों को समझने के लिये आपका शुक्रगुजार हूं। अपना ध्यान रखिये और सुरक्षित व स्वस्थ रहिये।'' बंगाल टीम के सात सदस्य और भारतीय आल राउंडर शिवम दुबे के साथ मुंबई टीम के वीडियो विश्लेषक रणजी ट्राफी के शुरू होने से पहले कोविड-19 पॉजिटिव पाये गये थे जिसे 13 जनवरी से शुरू होना था। महामारी के कारण 2020-2021 का सत्र भी आयोजित नहीं हो सका था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने जीत के साथ सत्र की शुरुआत की

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चौंपियन नाओमी ओसाका ने यहां चल रहे समर सेट टेनिस टूर्नामेंट में से एक में मंगलवार को अलिजे कॉर्नेट पर 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर 2022 सत्र की जीत से शुरुआत की। पिछले साल फरवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन जीतने के बाद ओसाका ने पहली बार रॉड लीवर एरेना में वापसी की। सितंबर में यूएस ओपन के तीसरे दौर में लिलाह फर्नांडिस से हारने के बाद यह उनका टूर स्तर पर पहला मैच था। कोविड-19 महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले कार्यक्रम काफी व्यस्त है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से शुरू होगा। मेलबर्न में इस सप्ताह डब्ल्यूटीए के दो और एटीपी का एक टूर्नामेंट खेला जा रहा है। एडीलेड में एटीपी और डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट चल रहा है। सिडनी में एटीपी कप खेला जा रहा है। मेलबर्न में खेले जा रहे एक अन्य टूर्नामेंट के पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने इरीना कामेलिया बेगु को 7-6 (6), 6-3 से हराया। एडीलेड में 2020 की फ्रेंच ओपनचैंपियन इगा स्वियातेक ने डारिया साविले को 6-3, 6-3 से हराकर अपने खिताब के बचाव का अभियान शुरू किया। इससे पहले के मैचों में अमेरिकी किशोरी कोको गौफ ने नॉर्वे की उलरिके ईकेरी को 6-2, 6-1 से हराया। उनका अगला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी से होगा। आस्ट्रेलियाई ओपन 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन ने लूसिया ब्रोंजेटी को 7-5, 7- से हराया जबकि अनास्तासिया गैसानोवा ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में आठवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 5-7, 6-4, 6-3 से पराजित किया।

वनडे विश्व कप के लिए हुआ भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान

इन दो खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

एजेंसी, नयी दिल्ली। स्टार बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिगेज को चार मार्च से तीन अप्रैल तक न्यूजीलैंड में होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप के लिये भारत की 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम में जगह नहीं मिली है। मिताली राज टीम की कप्तान होंगी जबकि हरमनप्रीत कौर उपकप्तान रहेंगी। 39 वर्ष की मिताली कह चुकी हैं कि वह विश्व कप के बाद संन्यास के बारे में सोचेंगी। टीम में स्मृति मंधाना, झूलन गोस्वामी और युवा शेफाली वर्मा को भी शामिल किया गया है। जेमिमा और हरफनमौला शिखा पांडे को खराब फॉर्म की वजह से टीम में जगह नहीं मिली है। जेमिमा पिछले साल एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकी। उन्होंने हालांकि इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट और आस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं पांडे ने अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छाप्रदर्शन नहीं किया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि दोनों को वनडे प्रारूप में खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है। रिचा घोष और तानिया भाटिया के रूप में भारत ने दो विकेटकीपरों को मौका दिया हे। यही भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ से 24 फरवरी तक सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेगी जिसमें एक टी20 और पांच वनडे मैच खेले जायेंगे। भारत को विश्व कप में छह मार्च को तौरंगा में पाकिस्तान से पहला मैच खेलना है। इसके बाद 10 मार्च को हैमिल्टन में न्यूजीलैंड से, फिर वेस्टइंडीज (12 मार्च, हैमिल्टन), गत चैम्पियन इंग्लैंड (16 मार्च, तौरंगा), आस्ट्रेलिया (19 मार्च, आकलैंड), बांग्लादेश (22 मार्च, हैमिल्टन) और दक्षिण अफ्रीका (27 मार्च, क्राइस्चर्च) से खेलना है। पिछली बार 2017 मेंभारतीय टीम फाइनल में इंग्लैंड से नौ रन से हारकर इतिहास रचने से चूक गई थी। टीम - आईसीसी महिला विश्व कप 2022 और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे के लिये - मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंहइा कुर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव। स्टैंडबाय - एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना,शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा, पूजा वस्त्राकर, मेधना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को आस्ट्रेलिया में नहीं दिया गया प्रवेश, वीजा किया गया रद्द

एजेंसी, ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया)। वर्ल्ड नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने का वीजा रद्द कर दिया गया था और मेलबर्न में अपने ऑस्ट्रेलियन ओपन के ताज की रक्षा के लिए उनकी बोली संदेह में प्रतीत होती है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि स्टार टेनिस खिलाड़ी को बाहर नहीं किया गया था और वें सर्ब सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम में खेलने के लिए कोविड-19 वैक्सीन छूट प्राप्त करने के अपने मामले को साबित नहीं कर सके। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को आस्ट्रेलिया में प्रवेश नहीं दिया गया और उनका वीजा बुधवार देर रात मेलबर्न पहुंचने के बाद रद्द कर दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने तड़के एक बयान में कहा कि जोकोविच प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उचित सबूत प्रदान करने में विफल रहे और उसके बाद उनका ''वीजा रद्द कर दिया गया।'' मेडिकल छूट मिलने के बाद ही जोकोविच मेलबर्न के लिए रवाना हुए थे। यहां उन्हें आस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेना था। जोकोविच ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनके पास छूट की अनुमति है और विक्टोरिया राज्य सरकार से चिकित्सा छूट प्राप्त करने के बाद बुधवार देर रात ऑस्ट्रेलिया में उतरे जो उन्हें इस साल के पहले बड़े टेनिस टूर्नामेंट के लिए सख्त टीकाकरण नियमों से बचाएंगे।